

संक्षिप्त समाचार

विरुधुनगर में पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट, दो मजदूरों की मौत, एक गंभीर घायल

चेन्नई। तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में एक पटाखा निर्माण इकाई में हुए भीषण विस्फोट में दो मजदूरों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और फैक्ट्री परिसर में धुआं फैल गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, अग्निशमन विभाग और बचाव दल मौके पर पहुंच गए। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाने के साथ राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसा शिवकाशी के निकट संचालित एक अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुआ। पुलिस के मुताबिक, विस्फोट इतना तेज था कि फैक्ट्री का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। आशंका जताई गई कि हादसे के समय अंदर कई मजदूर मौजूद थे, जिसके चलते बचाव अभियान तेजी से चलाया गया।

राहुल ने फिर पुलिस कार्रवाई और पेलेट गन के इस्तेमाल पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर 20 जुलाई को दिल्ली में हुए छात्र प्रदर्शन के दौरान पुलिस और सुरक्षा बलों की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ अत्यधिक बल प्रयोग किया गया और सरकार से इसकी जवाबदेही तय करने की मांग की। राहुल गांधी ने 25 जुलाई 2026 को लिखे पत्र में कहा कि छात्र शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। उनका आरोप है कि उनकी मांगों पर संवाद करने के बजाय सुरक्षा बलों ने आंसू गैस, पेलेट गन और अन्य बल प्रयोग का सहारा लिया, जिससे बड़ी संख्या में छात्र घायल हुए। उन्होंने यह भी दावा किया कि कुछ महिला प्रदर्शनकारियों के साथ दुर्व्यवहार की घटनाएं भी सामने आईं। पत्र में राहुल गांधी ने पेलेट गन के इस्तेमाल को लेकर विशेष सवाल उठाया। उन्होंने गृह मंत्री से पूछा कि छात्रों के खिलाफ ऐसे हथियारों के उपयोग की अनुमति किसने दी। यदि यह फैसला गृह मंत्रालय की ओर से नहीं लिया गया, तो इसके लिए जिम्मेदार अधिकारी कौन था और आदेश किस स्तर पर जारी किया गया।

512 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई

मुंबई । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 512 करोड़ रुपये के कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए मुंबई के बांद्रा स्थित रंग शाददा होटल और प्रभादेवी क्षेत्र में स्थित एक भूखंड को अस्थायी रूप से कुर्क कर लिया है। एजेंसी के अनुसार, जब की गई दोनों संपत्तियों का अनुमानित मूल्य करीब 332 करोड़ रुपये है। मामले में अवैध तरीके से अर्जित धन को वैध बनाने के आरोपों की जांच जारी है। ईडी की जांच प्रभुदास वीरचंद लोटिया और अन्य संबंधित लोगों के खिलाफ चल रही है। एजेंसी का कहना है कि कार्रवाई रंग शाददा होटल्स प्राइवेट लिमिटेड से जुड़ी संपत्तियों पर की गई है।

लोक परीक्षा विधेयक,2026 पर खत्म हुआ गतिरोध

संसद में आज एंटी पेपर लीक बिल पर चर्चा और वोटिंग

नई दिल्ली / एजेंसी

संसद में सार्वजनिक परीक्षाएं (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 को लेकर जारी गतिरोध अब खत्म होने के आसार हैं। सूत्रों के अनुसार, सभी प्रमुख राजनीतिक दल मंगलवार, 28 जुलाई को विधेयक पर चर्चा शुरू करने के लिए सहमत हो गए हैं। इससे पहले विपक्षी सदस्यों के हंगामे और विरोध के बीच संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई थी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सार्वजनिक परीक्षा विधेयक पर व्यापक चर्चा के लिए छह घंटे का विशेष समय देने का प्रस्ताव रखा था। उन्होंने कहा कि, देश की प्रतियोगी परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिए सभी दलों का एकजुट दृष्टिकोण जरूरी है। सूत्रों के मुताबिक, ओम बिरला ने विभिन्न राजनीतिक दलों के सदन के नेताओं के साथ लगातार बातचीत की। इसके बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच मंगलवार को विधेयक पर विस्तृत चर्चा कराने को लेकर सहमति बनी। यह विधेयक देशभर में NEET-UG पेपर लीक को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों की पृष्ठभूमि में लाया गया है। इसका उद्देश्य सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक, नकल, संगठित परीक्षा माफिया और अन्य अनुचित गतिविधियों पर प्रभावी ढंग से रोक लगाना है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने यह विधेयक सदन में पेश किया था। संशोधन विधेयक में व्यक्तिगत अपराधों के लिए सजा को मौजूदा अधिकतम पांच वर्ष से बढ़ाकर पांच वर्ष से लेकर 10 वर्ष तक करने का प्रस्ताव है। इसके साथ ही 750 लाख तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। संगठित अपराध के मामलों में न्यूनतम सजा को मौजूदा पांच वर्ष से बढ़ाकर सात वर्ष करने का प्रस्ताव है। ऐसे मामलों में जुर्माने की अधिकतम सीमा 210 करोड़ तक करने की बात कही गई है। इसके अलावा, कानून के तहत आने वाले अपराधों की सुनवाई के लिए विशेष फास्ट ट्रैक अदालतें



मैं स्ट्रीट फाइटर हूं, एसी रूम का एक्टिविस्ट नहीं इस्तीफे के बाद धर्मेंद्र प्रधान का पहला बयान.....

इस्तीफे के बाद पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पहला रिक्वायर्ड आया है। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि वो स्ट्रीट फाइटर है, वो एसी रूम में बैठने वाले एक्टिविस्ट नहीं हैं। दरअसल, संसद भवन के कॉरिडोर में धर्मेंद्र प्रधान और कांग्रेस नेता जयराम रमेश के बीच मुलाकात हुई थी। पुराने दिन को याद करते हुए धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि जयराम रमेश ने अटल बिहारी वाजपेयी जी की गवर्नेंस की तारीफ की थी और मैं इन्हें दृढ़ते हुए एआईसीसी दफ्तर चला गया था। फिर ये कॉर्नर्स मिनिसटर बने और मैं सांसद बना मैं इनके ऑफिस में अपने इलाके की मिर्ची के मुड़े पर मिला मिला था। इस बीच जयराम ने कहा इट हेप्स, जिसके जवाब में धर्मेंद्र प्रधान ने ये बात कही। इससे पहले सरकार ने पेपर लीक रोकने के लिए लोकसभा में सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक 2026 पेश किया। सरकार की ओर से केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने इस बिल को पेश किया गया। आपको 2 साल पुराने 2024 के कानून और नया कानून में अंतर बताते हैं। एंटी पेपर लीक कानून में अलग वर्ग के लिए अलग प्रावधान है, जैसे कोई अकेला शख्स दोषी है तो उसके लिए अलग प्रावधान है। अगर कोई संगठित गिरोह का सदस्य है तो उसके लिए अलग प्रावधान है। एंटी पेपर लीक में सिर्फ संगठित गिरोह के मेम्बर के लिए कठोर सजा का प्रावधान नहीं किया गया है बल्कि सर्विस प्रोवाइडर फ्रैंच यािन जो बॉयोमेट्रिक और प्रश्न पत्र के ट्रांसपोर्ट में शामिल एजेंसियां हैं।



गठित करने का भी प्रस्ताव है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने भी विपक्षी नेताओं से विधेयक पर चर्चा की अनुमति देने की अपील की। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर चर्चा के लिए अतिरिक्त समय भी दिया जा सकता है। रिजिजू ने लोकसभा में कहा कि सभी सदस्य चर्चा के लिए तैयार होकर आए हैं और कई विपक्षी सांसदों ने संशोधन भी दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह विधेयक छात्रों और युवाओं के लिए महत्वपूर्ण है और सभी दलों को इस पर चर्चा करनी चाहिए। एसीर की इस

सकारात्मक पहल के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों के फ्लोर लीडर्स से लोकसभा अध्यक्ष ने खुद बातचीत की। इसके परिणामस्वरूप सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने सहमति बनाते हुए मंगलवार को विधेयक पर विस्तृत चर्चा कराने का फैसला लिया। इससे सदन में सहमति और संवाद की भावना को भी बल मिला है। यह विधेयक सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक, नकल, संगठित परीक्षा माफिया और अन्य अनुचित साधनों पर प्रभावी रोक लगाने के मकसद से लाया गया है।

करुणानिधि की पोती कायलविड्री पर एसबीआई मैनेजर से मारपीट का आरोप

चेन्नई । तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि के परिवार से जुड़ी कायलविड्री के खिलाफ चेन्नई पुलिस ने एसबीआई के एक शाखा प्रबंधक के साथ कथित मारपीट और धमकी देने के आरोप में मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, घटना बैंक परिसर में हुई, जहां शाखा प्रबंधक के साथ निदेशालय की याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए तीन हफ्ते का समय दिया। ट्रायल कोर्ट ने ईडी की चार्जशीट पर सज़ा देने से इनकार कर दिया था। जस्टिस मनोज जैन ने कहा कि मामले की सुनवाई 10 सितंबर को होगी। गांधी परिवार के अलावा, ईडी की याचिका पर सुमन दुबे,

सरकारें जनता की आवाज सुनें

आज भी बापू का अहिंसा का रास्ता सबसे प्रासंगिक-सोनम

नई दिल्ली/ एजेंसी



अस्पताल से छुट्टी मिलते ही सोनम वांगचुक सीधे राजघाट पहुंचे। 26 दिनों के कड़े अनशन और मेदांता में चले इलाज के बाद, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देना उनकी पहली प्राथमिकता रही। बापू को नमन करते हुए उन्होंने देश को संदेश दिया कि आज भी सत्य और अहिंसा का रास्ता ही सबसे कारगर है। वांगचुक का कहना था कि एक सशक्त लोकतंत्र वही है जहाँ सरकारें जन-आवाज का सम्मान करें और हर गतिरोध को बातचीत के ज़रिए सुलझाएँ। इससे पहले

उन्होंने याद दिलाया कि स्विट्जरलैंड से लौटने के बाद जंतर-मंतर पर अपना अनशन शुरू करने से पहले भी उन्होंने ऐसा ही किया था। उन्होंने कहा कि आखिरकार वह दिन आ ही गया जब मुझे इस अस्पताल से छुट्टी मिल रही है। अपने अभियान की शुरुआत को याद करते हुए वांगचुक ने कहा कि आपको शायद याद होगा कि इसी तरह, जब मैं स्विट्जरलैंड से लौटा था, तो अनशन शुरू करने से पहले हमने राजघाट पर श्रद्धांजलि दी थी और फिर जंतर-मंतर गए थे। आज हम फिर वैसा ही करेंगे और उसके बाद लड़ाई में अपने घर के लिए निकलेंगे।

एथनॉल विवाद ने बढ़ाई फ्लाइओवर मैन

दीपके का अगला टारगेट लॉक! महाराष्ट्र के बड़े नेता अगली विकेट

नई दिल्ली/ एजेंसी

नीट पेपर लीक विवाद के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने केवल पहली विकेट करार दिया था। अब राजनीतिक गलियारों और सोशल मीडिया पर यह चर्चा तेज है कि दीपके की अगली विकेट कौन होगा ? इस रेस में वर्तमान में सबसे ऊपर नाम आ रहा है भाजपा के कद्दावर नेता और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का।नितिन गडकरी की छवि पिछले वर्ष तक एक ऐसे विकास पुरुष की थी, जिनकी तारीफ विपक्षी नेता भी करते नहीं थकते थे। देश भर में फ्लाइओवरों और सड़कों का जाल बिछाने के लिए मशहूर गडकरी,

आरएसएस के गढ़ नागपुर से आते हैं और सरसंघचालक मोहन भागवत के भी बेहद करीबी माने जाते हैं। लेकिन बीते कुछ समय से पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिलाने की उनकी नीति ने उन्हें जनता के निशाने पर ला खड़ा किया है।जनता की नाराजगी का मुख्य कारण गाड़ियों को होने वाला नुकसान और गिरता माइलेज है। नागरिकों का आरोप है कि एथनॉल मिश्रित पेट्रोल के कारण पुरानी गाड़ियों के इंजन खराब हो रहे हैं।ARAI की एक रिपोर्ट के अनुसार, ई20 ईंधन पुराने वाहनों के रबर के हिस्सों को खराब कर सकता है और इससे ईंधन की खपत 2ब से 6 प्रतिशत तक बढ़ सकती है। कुछ सर्वे तो यहां तक दावा करते हैं कि माइलेज में 10 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है।अभिजीत दीपके ने इसे सरकार की



जिंजा टेक्निक कहा है, जिसमें पेट्रोल में सस्ता एथनॉल मिलाया जा रहा है, लेकिन पेट्रोल की कीमतें कम नहीं की जा रही हैं। दीपके के अनुसार, उनके पिता की गाड़ी के इंजन में भी एथनॉल के कारण खराबी आई, जिसका खर्च 40,000 आया। गडकरी पर सबसे

पुलिस की ज्यादाती नहीं चलेगी

सुप्रीम कोर्ट सख्त! शांतिपूर्ण विरोध संवैधानिक हक है....

नई दिल्ली/ एजेंसी

देशभर और खासकर दिल्ली में छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस की ज्यादाती पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी सामने आई है। शांतिपूर्वक तरीके से प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज और आंसू गैस चलाने वाले में मामले सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस प्रशासन को जमकर फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार एक संवैधानिक गारंटी है। सिर्फ आंदोलन होने की वजह से प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कथित ज्यादाती को सही नहीं ठहराया जा सकता। सीजेआई



सूर्यकांत सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने यह भी संकेत दिया कि देश भर में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों को आसान बनाने और अधिकारियों को असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने में सक्षम बनाने के लिए एक समान प्रोटोकॉल की जरूरत है।सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, शांतिपूर्ण विरोध

का अधिकार संविधान में है। शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार पूरी तरह से गारंटीकृत है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता। सिर्फ इसलिए कि आंदोलन हो रहा है, पुलिस को ज्यादाती को सही नहीं ठहराया जा सकता। हालांकि, कोर्ट ने विरोध प्रदर्शनों के दौरान पुलिसकर्मियों पर हमले के आरोपों पर भी चिंता जताई। जब एक वकील ने बेकाबू भीड द्वारा पुलिसकर्मियों के घायल होने और उनके परिवारों पर हमले की घटनाओं का जिक्र किया, तो जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने कहा, पुलिस को चोट पहुंचना भी उतनी ही चिंता की बात है।

ममदानी पर तीखा पलटवार में न्यूयॉर्क जरूर आऊंगा पीएम बेंजामिन नेतन्याहू

नई दिल्ली/ एजेंसी



इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। नेतन्याहू ने स्पष्ट कर दिया है कि वे सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करने के लिए न्यूयॉर्क जरूर जाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने मेयर ममदानी के उन बयानों को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें उन्हें न्यूयॉर्क में अवांछित बताने की कोशिश की गई थी। नेतन्याहू ने मेयर पर शहर में यहूदी-विरोध और विभाजनकारी

राजनीति को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है।फॉक्स न्यूज के कार्यक्रम ‘संडे मॉर्निंग फ्यूचर्स’ में मारिया बारतीरोमो को दिए एक इंटरव्यू में नेतन्याहू ने हुंकार भरते हुए कहा कि ममदानी को मेरा जवाब है कि मैं यहूदी लोगों की सच्चाई के लिए लड़ने न्यूयॉर्क आऊंगा।

ईडी की याचिका पर मांगा जवाब

दिल्ली हाई कोर्ट ने गांधी परिवार को दिया तीन हफ्ते का समय...

नई दिल्ली/ एजेंसी



दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और दूसरे प्रतिवादियों को नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ट्रायल कोर्ट के आदेश के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए तीन हफ्ते का समय दिया। ट्रायल कोर्ट ने ईडी की चार्जशीट पर सज़ा देने से इनकार कर दिया था। जस्टिस मनोज जैन ने कहा कि मामले की सुनवाई 10 सितंबर को होगी। गांधी परिवार के अलावा, ईडी की याचिका पर सुमन दुबे,

बोझ ज्यादा है। प्रतिवादियों के सीनियर वकील ने ईडी की याचिका का जवाब देने के लिए समय मांगा। श्रद्ध की ओर से पेश सॉलिडिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि ट्रायल कोर्ट ने बहुत बड़ी गलती की है और बताया कि दो महीने पहले समय दिए जाने के बावजूद अभी तक कोई जवाब दाखिल नहीं किया गया है। उन्होंने तर्क दिया, यह पूरी तरह से कानून का सवाल है। जवाब दाखिल करने के लिए दो महीने पहले समय दिया गया था। मैं जवाब दाखिल करने पर कोई आपत्ति नहीं कर सकता। यह पूरी तरह से कानून का सवाल है।

संक्षिप्त समाचार

बहन से मिलने आई महिला पर भाई ने किया चाकू से हमला

रायपुर। राजधानी रायपुर के तेलीबांधा थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ मारपीट और चाकू से हमला करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफमामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, 23 जुलाई को तेलीबांधा निवासी महिला मौलीपारा स्थित सरकारी कुएं के पास रहने वाली परिचित कलश राजपूत नामक महिला से मिलने उसके घर गई थी। इसी दौरान वहां मौजूद उसके भाई करण राय राजपूत ने कथित तौर पर महिला से विवाद शुरू कर दिया। आरोप है कि उसने अश्लील गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुठ्ठों से मारपीट की महिला का आरोप है कि विरोध करने पर आरोपी ने पास में रखे सब्जी काटने वाले चाकू से उसके माथे पर वार कर दिया, जिससे वह घायल हो गई। घटना के दौरान मौजूद महिला की बहन सरोजनी बघेल और गणेश ने बीच-बचाव कर उसे बचाया।घटना के बाद पीड़िता ने घर पहुंचकर अपने पति को पूरी जानकारी दी और फिर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। महिला ने आरोपी के खिलाफकड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि घटना के कारणों, दोनों पक्षों के संबंधों और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पे-डेटा ट्रांसफर के बदले एक लाख की रिश्त लेते सिविल सर्जन गिरफ्तार

रायपुर। पे-डेटा तैयार कर सीएमएचओ कार्यालय भेजने के एवज में एक लाख रुपये की रिश्त लेते सकी जिला अस्पताल के प्रभारी सिविल सर्जन संतोष कुमार पटेल को एंटी करप्शन ब्यूरो बिलासपुर की टीम ने रों हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी को के खिलाफ धारा 7, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के तहत कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, जिला अस्पताल सकी में अटैचमेंट पर कार्यरत फर्मासिस्ट ग्रेड-2 गंगा प्रसाद रत्नाकर ने एसीबी बिलासपुर में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि उनकी मूल पदस्थापना सीएमएचओ कार्यालय पोराथा में है।आरंभवी 2026 से वे जिला अस्पताल सकी में अटैचमेंट पर सेवाएं दे रहे हैं। आरोप है कि प्रभारी सिविल सर्जन उनके मई और जून 2026 सहित फरवरी से जून तक के पे-डेटा को सीएमएचओ कार्यालय भेजने के लिए हर महीने 20 हजार रुपये के हिसाब से कुल एक लाख रुपये की रिश्त मांग रहे थे।

टीपी नगर में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

रायपुर। सीएसईबी चैकी क्षेत्र से एक दुखद मामला सामने आया है। बरपाली निवासी रोहन उर्फ अमन श्रीवास का शव टीपी नगर स्थित किराए के कमरे में फंसी के फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही सीएसईबी चैकी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, रोहन उर्फ अमन श्रीवास टीपी नगर के पास किराए के कमरे में रहकर स्टूडियो में कार्य करता था। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि गुस्से रात करीब 9 बजे उसकी अपने पिता से फ़ोन पर बातचीत हुई थी। बताया जा रहा है कि इसके बाद देर रात करीब 2.30 बजे उसने दोबारा अपने पिता को फ़ोन किया।

सरस्वती साइकिल प्रदाय योजना के तहत मड़ानार और मर्दापाल में 238 छात्राओं को मिली साइकिलें

शिक्षा ही उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत आधारशिला : वनमंत्री

रायपुर/ संवाददाता

सरस्वती साइकिल प्रदाय योजना छत्तीसगढ़ सरकार की एक कल्याणकारी पहल हैइस योजना के तहत कक्षा 9वीं में अध्ययनरत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और बीपीएल (गरीबी रेखा के नीचे) परिवारों की छात्राओं को स्कूल आने-जाने के लिए नि:शुल्क साइकिल प्रदान की जाती है। छत्तीसगढ़ शासन की नि:शुल्क सरस्वती साइकिल प्रदाय योजना के तहत कोण्डागांव जिले के मड़ानार और मर्दापाल में 238 छात्राओं को साइकिलें वितरित की गईं। इस अवसर पर वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।मड़ानार में आयोजित कार्यक्रम में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मड़ानार, सोनाबाल और गोलावंड की 57 छात्राओं को साइकिलें

प्रदान की गईं। वहीं मर्दापाल में मर्दापाल, हसलनार, मटवाल, कांगा, नवागांव और खड़पड़ी की 181 छात्राओं को योजना का लाभ मिला। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा ही उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत आधारशिला है। उन्होंने कहा कि शासन की सरस्वती साइकिल प्रदाय योजना का उद्देश्य दूर-दराज के क्षेत्रों की छात्राओं को स्कूल आने-जाने में सुविधा उपलब्ध कराना और उन्हें पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करना है। उन्होंने छात्राओं से मेहनत, अनुशासन और लगन के साथ अध्ययन कर अपने सपनों को साकार करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान भी किया गया। वन मंत्री ने उनके रूप में शामिल हुए।मड़ानार में आयोजित कार्यक्रम में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मड़ानार, सोनाबाल और गोलावंड की 57 छात्राओं को साइकिलें

उपमुख्यमंत्री ने वन महोत्सव का किया गया शुभारंभ.....

रायपुर। पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से जनआंदोलन बनाने ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान 3.0 का शुभारंभ लोरमी विकासखण्ड के ग्राम बैगाकापा में किया गया। इस दौरान उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कल्पवृक्ष का पौधा लगाकर पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता फैलाने ‘वृक्ष मित्र वाहन’ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वाहन गांवों-शहरों में जाकर नौबू, मुनगा, बिही, जामुन आदि के पौधे वितरित कर नागरिकों को पौधारोपण के लिए प्रोत्साहित करेगी। उप मुख्यमंत्री साव ने कार्यक्रम में कहा कि जलवायु परिवर्तन आज वैश्विक चुनौती है और इससे निपटने के लिए वृक्षारोपण के साथ वर्षा जल का संरक्षण भी अत्यंत आवश्यक

है। प्रकृति के संतुलन के लिए पेड़, पानी और पर्यावरण का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन की चुनौती का उल्लेख करते हुए अधिक से अधिक वृक्षारोपण तथा वर्षा जल के संरक्षण के लिए प्रेरित किया, ताकि ग्रीष्मकाल में जल संकट से बचा जा सके। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों, ग्रामीणों एवं बड़ी संख्या में नागरिकों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कलेक्टर कुन्दन कुमार, वनमंडलाधिकारी अभिनव कुमार, जिला पंचायत के अध्यक्ष श्रीकांत पाण्डेय और जिला पंचायत के सीईओ गोकूल रावते के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि।

सेवा सेतु से आसान हुई सरकारी सेवाओं की राह,समय पर मिला जरूरी प्रमाणपत्र

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ शासन की सेवा सेतु योजना प्रदेश में नागरिक सेवाओं को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने की दिशा में प्रभावी पहल साबित हो रही है। योजना के माध्यम से आय, जाति, निवास सहित विभिन्न आवश्यक प्रमाण पत्रों और शासकीय सेवाओं की प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक सहज हो गई है। इससे विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को अनावश्यक भागदौड़ से राहत मिल रही है। सूरजपुर जिले के ग्राम कमलपुर निवासी श्री सुशील सिंह इसका एक प्रेरक उदाहरण हैं। उन्होंने अपनी पुत्री अनिता सिंह के लिए आय प्रमाण पत्र बनवाने हेतु सेवा सेतु के



माध्यम से आवेदन किया। पहले ऐसे कार्यों के लिए कई बार शासकीय कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, जिससे समय और श्रम दोनों की हानि होती थी। लेकिन सेवा सेतु के जरिए आवेदन की प्रक्रिया सरल होने से उनका आवेदन निर्धारित समय में निराकृत हुआ और उन्हें आय प्रमाण पत्र आसानी से प्राप्त हो

गया। श्री सुशील सिंह ने बताया कि समय पर प्रमाण पत्र मिलने से उनकी पुत्री के शैक्षणिक एवं अन्य शासकीय कार्य बिना किसी परेशानी के पूरे हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि सेवा सेतु योजना ने ग्रामीण नागरिकों के लिए सरकारी सेवाओं तक पहुंच को आसान बनाया है और अब बार-बार कार्यालय जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती। प्रदेश सरकार की यह पहल सुशासन, पारदर्शिता और नागरिक सुविधा को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। सेवा सेतु योजना के माध्यम से लोगों का समय और संसाधन दोनों बच रहे हैं, वहीं सरकारी सेवाओं के प्रति आमजन का विश्वास भी लगातार बढ़ रहा है।

जल जीवन मिशन से बदला ग्राम डोकरबुड़ा का परिदृश्य

पानी के लिए घंटों चलने वाले संघर्ष से ग्रामीणों को मिली मुक्ति

जलजनित बीमारियों में आई कमी, बच्चों की शिक्षा और महिला सशक्तिकरण को मिला नया संबल

रायपुर/ संवाददाता

जल जीवन मिशन के तहत ‘घर-घर पहुंचे स्वच्छ पेयजल’ ने न सिर्फ लोगों के स्वास्थ्य में सुधार किया है, बल्कि उनके रोजमर्रा के जीवन को भी आसान बना दिया है। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के घरघोड़ा विकासखंड स्थित ग्राम डोकरबुड़ा में जल जीवन मिशन के तहत हर घर तक नल से स्वच्छ पानी पहुंचने पर जीवन आसान हो गया है। 176 परिवारों वाले इस गांव में अब पानी के लिए संघर्ष नहीं करना पड़ता, जिससे स्वास्थ्य और बच्चों की पढ़ाई में सुधार हुआ है। रायगढ़ जिले के विकासखंड घरघोड़ा के ग्राम पंचायत छर्राटोंगर अंतर्गत स्थित ग्राम डोकरबुड़ा आज जल जीवन मिशन की सफलता की एक प्रेरणादायक मिसाल बन चुका है। 176 परिवारों

और 772 की आबादी वाले इस गांव में अब प्रत्येक घर तक नल के माध्यम से स्वच्छ, सुरक्षित एवं पर्याप्त पेयजल नियमित रूप से पहुंच रहा है। कभी पानी की एक-एक बूंद के लिए दूर-दराज का सफ़र तय करने वाले ग्रामीण आज घर बैठे नल जल सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। इस बदलाव ने न केवल ग्रामीणों की दिनचर्या को आसान बनाया है, बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास की दिशा में भी नया अध्याय जोड़ा है। डोकरबुड़ा की निवासी श्रीमती कुंतीमा राठिया ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि पहले उन्हें रोजाना कई बार पानी लेने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। घर की जिम्मेदारियों के साथ-साथ पानी की व्यवस्था का पूरा भार उन्हीं पर था, जिससे दिन का बड़ा हिस्सा इसी में चला जाता था। कई बार तो बच्चों को भी पढ़ाई छोड़कर पानी लाने में हाथ बंटाना पड़ता था। कुंतीमा राठिया ने कहा कि कनेक्शन मिलने से हमारी वर्षों पुरानी समस्या समाप्त हो गई है। अब जो समय बचता है, उसका उपयोग परिवार को देखभाल और अन्य आयवर्धक कार्यों में कर पा रही हूं। गांव में पाइपलाइन बिछाकर हर घर तक नल कनेक्शन देने



के बाद पेयजल की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। स्वच्छ पानी मिलने से गांव में जलजनित बीमारियों में भारी कमी आई है, जिससे ग्रामीणों का इलाज पर होने वाला खर्च भी काफी घट गया है। इसके अलावा, बच्चों को अब पानी ढोने की

मशक़त से आजादी मिल गई है, जिससे वे नियमित रूप से स्कूल जाकर अपनी पढ़ाई पर पूरा ध्यान केंद्रित कर पा रहे हैं। जल जीवन मिशन ने डोकरबुड़ा में सिर्फ नल से जल पहुंचाने का काम नहीं किया है, बल्कि गांव के सामाजिक और

प्रशासन के अधिकारी, शिक्षा विभाग के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मर्दापाल में वन मंत्री ने ग्राम पंचायत भवन और महतारी सदन का किया लोकार्पण

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने आज कोण्डागांव जिले के मर्दापाल में नवनिर्मित ग्राम पंचायत भवन और महतारी सदन का लोकार्पण किया। लगभग 12 लाख रुपये की लागत से निर्मित ग्राम पंचायत भवन और लगभग 25 लाख रुपये की लागत से बने महतारी सदन को उन्होंने ग्रामीणों को समर्पित किया। महतारी सदन में मंत्री श्री कश्यप ने बिहान स्व-सहायता समूह की महिलाओं से संवाद किया। उन्होंने महिलाओं से उनकी आजीविका

गतिविधियों और समूह से जुड़ने के बाद आय में हुए बदलाव की जानकारी ली। महिलाओं ने बताया कि स्व-सहायता समूहों से जुड़कर उन्हें रोजगार और आय के नए अवसर मिल रहे हैं। वन मंत्री ने कहा कि महतारी सदन ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण केंद्र है। राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। लखपति दीदी और झोन दीदी जैसी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को रोजगार, स्वरोजगार और आय के नए अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। वन मंत्री श्री कश्यप ने महिलाओं से फलदार पौधों का रोपण, पशुपालन और अन्य आयवर्धक गतिविधियों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यदि इन गतिविधियों को मेहनत और बेहतर योजना के साथ किया जाए तो ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि हो सकती है।

समूह से जुड़कर आर्थिक रूप से हुई सशक्त, महतारी वंदन योजना से भी मिल रहा संबल



बिहान योजना से मिली नई पहचान, पोषण सखी बन महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य की बर्नी संरक्षक

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ शासन की राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन ‘बिहान’ ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बन रही है। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं जहां स्वरोजगार और आजीविका गतिविधियों से जुड़कर आत्मनिर्भर बन रही हैं, वहीं समाजहित के कार्यों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। सरगुजा जिले के ग्राम खैरबार की श्रीमती लक्ष्मी यादव इसकी प्रेरक मिसाल हैं, जिन्होंने ‘बिहान’ से जुड़कर आर्थिक आत्मनिर्भरता हासिल करने के साथ-साथ पोषण सखी के रूप में महिलाओं और बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए उल्लेखनीय योगदान दिया है। लक्ष्मी यादव बताती हैं कि स्वयं सहायता समूह से जुड़ने से पहले परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर थी और दैनिक जरूरतों को पूरा करना भी चुनौतीपूर्ण था। ‘बिहान’ योजना से

जुड़ने के बाद उन्हें पोषण सखी के रूप में कार्य करने का अवसर मिला, जिससे उनकी आय का नियमित स्रोत बना और परिवार की आर्थिक स्थिति में लगातार सुधार हुआ। पोषण सखी के रूप में लक्ष्मी यादव गांव-गांव और घर-घर जाकर गर्भवती एवं शिशुवती माताओं को संतुलित एवं पोष्टिक आहार के महत्व की जानकारी देती हैं। वे आंगनबाड़ी केंद्रों में आयोजित गतिविधियों के माध्यम से महिलाओं को पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूक करती हैं। साथ ही कुपोषित बच्चों की पहचान कर उनके परिवारों को उचित पोषण, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और आंगनबाड़ी सेवाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित करती हैं। उनके प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ रही है और कुपोषण मुक्त समाज के निर्माण को मजबूती मिल रही है। लक्ष्मी यादव को पोषण सखी के रूप में प्रतिमाह लगभग 1,000 रुपये का मानदेय प्राप्त होता है। इसके साथ ही महतारी वंदन योजना के अंतर्गत मिलने वाली प्रतिमाह 1,000 रुपये की सहायता राशि भी परिवार के लिए महत्वपूर्ण आर्थिक संबल साबित हो रही है। इस राशि का उपयोग वे बच्चों की शिक्षा, आवश्यकताओं और परिवार के दैनिक खर्चों में करती हैं।

जल जीवन मिशन से बदला ग्राम डोकरबुड़ा का परिदृश्य

पानी के लिए घंटों चलने वाले संघर्ष से ग्रामीणों को मिली मुक्ति

आर्थिक ताने-बाने को भी सशक्त बनाया है। ग्रामीण अब जल संरक्षण, स्वच्छता और सुरक्षित जल के उपयोग के प्रति जागरूक हो चुके हैं। आज ग्राम डोकरबुड़ा इस बात का जीवंत प्रमाण बन गया है कि जब हर घर तक नल से जल पहुंचता है, तो सिर्फ प्यास ही नहीं बुझती, बल्कि पूरे गांव के विकास को एक नई रफ्तार मिलती है।

सोलर पंप चालू होने से लौटी खेतों की रौनक

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा जनसमस्याओं के त्वरित समाधान और किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित योजनाओं का लाभ जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा रहा है। इसी कड़ी में सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। कोरबा के विकासखंड पोड़ी-उपरोड़ा अंतर्गत ग्राम अरसियां निवासी कृष्ण श्री राम के खेत में सोर सुजला योजना के तहत स्थापित सोलर पंप अचानक तकनीकी खराबी के कारण बंद हो गया था।

संपादकीय

विदेश मंत्रालय ने यूक्रेन की घटना पर नई दिल्ली स्थित रूसी दूतावास के प्रभारी अधिकारी को तलब कर अपना विरोध दर्ज कराया है, लेकिन क्या इससे यह सुनिश्चित हो पाएगा कि भविष्य में ऐसी कोई घटना नहीं होगी। सवाल है कि युद्ध के नियमों के विपरीत किसी असैन्य जहाज को निशाना क्यों बनाया गया, जबकि उस पर झंडा भी किसी तीसरे देश का लगा हुआ था? भारत से हर

साल बड़ी संख्या में लोग बेहतर रोजगार के लिए विदेश जाते हैं और वहां से विदेशी मुद्रा यहां भेजते हैं। इससे देश के विदेशी मुद्रा भंडार को भी मजबूती मिलती है। मगर सवाल है कि विदेश में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है? यूक्रेन के तट से रवाना हो रहे गिनी-बिसाऊ के ध्वज वाले एक वाणिज्यिक जहाज पर हाल ही में हुए हमले में चार भारतीय नागरिकों

की मौत की घटना से यह सवाल एक बार फिर जोर पकड़ने लगा है।इससे पहले होर्मुज जलमार्ग में तेल के एक जहाज पर हुए हमले में भारतीय नागरिक की मौत हो गई थी। हालांकि, विदेश मंत्रालय ने यूक्रेन की घटना पर नई दिल्ली स्थित रूसी दूतावास के प्रभारी अधिकारी को तलब कर अपना विरोध दर्ज कराया है, लेकिन क्या इससे यह सुनिश्चित हो पाएगा कि भविष्य में ऐसी

कोई घटना नहीं होगी। जाहिर है, भारत को ऐसे मामलों में कड़ा रुख अपनाना चाहिए और पीड़ित परिवारों को भी हरसंभव सहायता मुहैया कराने को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।गौरतलब है कि बीती 19 जुलाई की शाम को एमवी गोल्डन लियो नामक वाणिज्यिक जहाज पर यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह से रवाना होते समय हमला हुआ था। उस वक्त जहाज पर चालक दल के सत्रह सदस्य

सवार थे, जिनमें चार भारतीयों समेत दस लोगों की मौत हो गई, जबकि एक भारतीय नागरिक गंभीर रूप से घायल हो गया। यूक्रेन के विदेश मंत्रालय का दावा है कि यह हमला रूसी सेना की ओर से किया गया। रूस-यूक्रेन युद्ध में भारतीय नाविकों की मौत का यह पहला मामला है।मगर सवाल है कि युद्ध के नियमों के विपरीत किसी असैन्य जहाज को निशाना क्यों बनाया गया? जबकि उस पर झंडा

भी किसी तीसरे देश का लगा हुआ था। दूसरा, भारत सरकार को इस बात पर भी गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि अपने देश के नागरिकों को दुनिया के विभिन्न हिस्सों में युद्ध के प्रभाव वाले क्षेत्रों से कैसे दूर रखा जाए। साथ ही इस तरह के हमलों में पीड़ित परिवारों की मदद और मृतकों के शव शीघ्र स्वदेश लाने की प्रक्रिया को भी आसान बनाया जाना चाहिए।

जंतर-मंतर के मुखौटों के पीछे का सच !

(कृष्णमुरारी त्रिपाठी अटल)

फिर मोदी विरोध के जितने भी इकोसिस्टम वाले चेहरे थे, वो सब बिल से बिलबिलाकर सामने आने लगे। उन्होंने पूरी ताक़त झोंक दी कि कैसे भी करके दिल्ली में शाहीन बाग जैसे दंगे फैलाए जाएं। कन्वर्जन कराने वाले गिरोह के वो लोग जो स्रष्ट़रू की मार से चोटिल थे। उन्होंने जी भर के पैसे बहाए। तमाम क़क्क़एजेंसीज हायर की गई।

चाहे हथशस्त्र हो याकि कोई भी एजाम हो, जो भी स्टूडेंट्स के भविष्य से खिलवाड़ करते हैं उन्हें कठोरतम दंड मिलना ही चाहिए। कोई भी दोषी बख़्शे नहीं जाने चाहिए। किसी भी एजाम में जालसाजी, पेपरलीक़ जैसे घटनाक्रमों की पुनरावृत्ति कहीं भी नहीं होनी चाहिए। ये सुनिश्चित करने की संपूर्ण जवाबदेही सरकार की है। कोई व्यक्ति हो, संगठन हो। सबको अपनी-अपनी मांगों को लेकर विरोध करना चाहिए। आप इस्तीफा मांगिए। याकि जो भी संविधान सम्मत विरोध के शांतिपूर्ण तरीके हों, उन सबको करिए। ये हमारे लोकतंत्र की खूबसूरती है। यही भारत है। संवाद के रास्ते हमेशा ही खुले होने चाहिए। सरकार का ये उत्तरदायित्व भी है। भौगोलिक संदर्भ

लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि— देश में अराजकता के संगठित कृत्य को आंदोलन कहकर स्वीकार कर लिया जाएगा। भारत के युवाओं को काकोरोच कहकर अपमानित करने वाली इंटरनेशनल साज़िशों को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। भारत में काँकरोच शब्द और दिल्ली जंतर-मंतर कनेक्शन अब नए संदर्भ में अपरिचित नहीं रह गया है। सबसे पहले कुछ जमूरों ने अमेरिकी में बैठकर- भारत के युवाओं को- भारत के सुप्रीम कोर्ट की खिलाफ़त में काकोरोच कहा। फिर भाजपा और मोदी विरोध की पटकथा लिखी गई। जबकि सुप्रीम कोर्ट के सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत ने मई 2026 में ये टिप्पणी फर्जी ड़िप्पी के ज़रिए वकालत करने वाले वकीलों पर की थी। इसका उन्होंने स्पष्टीकरण भी दिया था। लेकिन डीप स्टेट ने आम आदमी पार्टी के जमूरों को आगे कर - भारत की न्यायपालिका के ख़िलाफ़ उकसाया। यहीं से काकोरोच शब्द को भारत के युवाओं के माथे पर चस्पा करने की योजना को मूर्तरूप दिया गया।

आम आदमी पार्टी का जमूरा - दीपक भारत आया, झंघर-उधर प्रदर्शन के लिए गया लेकिन धूप तक बर्दाश्त न कर पाया। तत्पश्चात एफसीआए के विरोध में सोनम वांगचुक को अमेरिकी मूल की उनकी पत्नी –रेबेका नॉर्मन के ज़रिए प्रोटेस्ट का चेहरा बनाकर ‘जंतर-मंतर’ के मैदान में भूख हड़ताल के लिए उतार दिया गया। जहां इमोशनली-सेंटीमेंट भुनाने के तमाम प्रयोजन रचे जाने लगे। नेपाल और बांग्लादेश जैसे सत्ता की रिजीम चेज करने का खाका खींचा जाने लगा।

फिर मोदी विरोध के जितने भी इकोसिस्टम वाले चेहरे थे, वो सब बिल से बिलबिलाकर सामने आने लगे। उन्होंने पूरी ताक़त झोंक दी कि कैसे भी करके दिल्ली में शाहीन बाग जैसे दंगे फैलाए जाएं। कन्वर्जन कराने वाले गिरोह के वो लोग जो स्रष्ट़रू की मार से चोटिल थे। उन्होंने जी भर के पैसे बहाए। तमाम पीआर एजेंसीज हायर की गई। सेलेब्रिटीज कंडे जाने वाले कौमी लोग— हिंदुत्व को समस करने के लिए उतर आए। विदेशी और देशी पैसों से सोशल मीडिया कैपेन को लॉन्च कर दिया गया। भवुक युवाओं ने भी देखा-सुनी ऐसी तमाम स्टोरीज सोशल मीडिया में शेयर कीं। जबकि इस तथाकथित आंदोलन में शिक्षाविद्, डॉक्टर्स और स्टूडेंट्स कहीं नज़र नहीं आए। अगर स्टूडेंट्स नज़र आए भी तो उन्हें मंच पर कहीं स्थान नहीं मिला। सिर्फ़ कुछ हाईजैकर्स , कॉमेडियन, नेता और भारत विरोधी -हिन्दुत्व विरोधी बातें कहने वाले चेहरे नज़र आए। कंटेंट क्रिएटर्स ही दिखते रहे।

प्रोफेशनल पीआर स्टाल में प्रोटेस्ट का जमावड़ा हुआ। एआईएएसएफ़, एसएफआई समेत तमाम गद्दार वामपंथियों का



अपने स्टून में जुट जाते थे। अंततोगत्वा 18 जुलाई 2026 को सोनम वांगचुक को दिल्ली पुलिस ने सफ़दरजंग अस्पताल में भर्ती कराया। किन्तु ये काँकरोच, कांग्रेस पार्टी के सहयोग से- सोनम वांगचुक को सरकारी अस्पताल से प्रायवेट अस्पताल में भर्ती कराने की ज़िद पर अड़े। दिल्ली हाईकोर्ट गए। लेकिन दिल्ली हाईकोर्ट ने दो टूक कहा कि- सफदरजंग अस्पताल से कहीं और शिफ्ट करने की ज़रूरत नहीं है। वहां उनकी समुचित देखभाल हो रही है।

20 जुलाई 2026 को बिना परमिशन के संसद मार्च करने का शाहीन बाग-सीएफ़ दंगे वाली स्टाइल में अभियान चलाया गया। कांग्रेस, आप,समजवादी पार्टी, भीम-मीम के गठजोड़, लेफ्ट पार्टियां, कन्वर्जन कराने वाले एनजीओ अर्बन नक्सली, ब्रेकिंग इंडिया फोर्सेज, सो-रोस-डीप स्टेट के वालंटियर्स - सब देश के यु्थ के कंधों पर बंदूक रखकर उतर आए। सबने भीड़ जुटाने का पर्याप्त प्रबंध किया।

भाजपा और मोदी विरोध के सभी गिरोह एकजुट हुए। भरपूर पैसा बहाया गया। संसद घेरने के लिए भीड़ को उतार दिया गया। जिन क्षेत्रों में ड़ोन प्रतिबंधित थे, वहां शक्ति प्रदर्शन-प्रचार के लिए ड़ोन कैमरे चलाए गए। कश्मीर की तर्ज़ पर भीड़ के ज़रिए पुलिस पर संगठित योजना के तहत पथराव कराया गया। पुलिस वालों और महिला पत्रकारों की लांछिंग की कोशिशें की गई। भारत के संविधान ने जिस संसद का गठन किया। जो संसद हमारे देश की सांविधानिक आधारशिला है। उसे उखाड़ फेंकने की बातें दुहराई गई। भारत के नेपाल बनाने का काँकरोचों ने दंभ भरा। ये तब हो रहा था जब केंद्रीय मंत्री जेपी नड्ड ने इनके प्रतिनिधि मंडल को

बारीकी से समझना चाहिए। ताकि हम किसी टूलकिट का शिकार न बनें। जंतर-मंतर में जिस तरह से भगवान राम को अपमानित किया गया। भारत की संस्कृति के ख़िलाफ़ जहर उगला गया। ब्राह्मणों, हिन्दुत्व को ख़त्म करने का ऐलान किया जाता रहा। आरएसएस के खिलाफ़ नारेबाजी की जाती रही। भारतीयता की बात करने वाली राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 को ख़त्म करने की जिहादी पोस्टर बनाए गए।नारेबाजी की गई। काफ़िरों के कल्लेआम के लिए फ़ैज़ की बस नाम रहेगा अल्लह का जैसा जिहादी ऐलान किया गया। यानी भारत के इस्लामीकरण का फतवा जारी किया गया।

क्या ये सब किसी भी हिसाब से जायज़ कहा जाएगा? क्या ये किसी न्याय की लड़ाई थी? पूरे प्रहसन के दौरान जिस तरीक़े से हर दिन भारत ट्रेक का विष वमन किया जाता रहा। संविधान और तिरंगे की ओट में छिपकर— भारत के संविधान को चुनौती दी जाती रही। भारत की न्यायपालिका को कठघरे में खड़ा किया जाता रहा। संसद को उखाड़ फेंकने के नारे गढ़े गए। भारत को —हिंसा, दंगों की आग में झोंकने के लिए – नेपाल बनाने के जो संदेश दिए गए। वो गंभीर हैं। हमारी आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को खुली चुनौती भी हैं। ये कोरी भावुकता तो कतई नहीं हो सकती। ये निश्चित ही भारत की शक्ति, सामर्थ्य के खिलाफ़ एक सुनियोजित साजिश है। इसमें सत्ता की भूखी राजनीतिक पार्टियां और उनके नेता भी अव्वल हैं। जो बांग्लादेश और नेपाल हिंसा के बाद वहां हुए तख्तापलट की समय से ही - भारत के युवाओं को हिंसा, उपद्रव के लिए उकसा रहे हैं। कभी वो जेन जेड के नाम पर उकसाते हैं।

पर्यटन के इस विस्तार का एक सकारात्मक पक्ष भी है। लंबे समय से पलायन, बेरोजगारी और सीमित आर्थिक अवसरों से जूझ रहे हिमालयी क्षेत्रों में पर्यटन ने आय के नए स्रोत उपलब्ध कराए हैं। अनेक गांवों में घरों में पर्यटकों को ठहराने (होमस्टे) की संस्कृति विकसित हुई है। इसके अलावा स्थानीय युवाओं को रोजगार मिला है। परिवहन, हस्तशिल्प, भोजनालय और अन्य सेवा क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ी हैं। कई परिवार, जो पहले केवल पारंपरिक कृषि या सीमित आजीविका पर निर्भर थे, अब पर्यटन से जुड़कर अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर रहे हैं। इस दृष्टि से पर्यटन ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा का संचार किया है।

है। पर्यटन के ये ज्यादातर केंद्र अब केवल मौसमी गंतव्य नहीं रहे, बल्कि वर्ष भर व्यस्त रहने वाले आर्थिक केंद्रों के रूप में उभर रहे हैं। हिमाचल प्रदेश के पर्यटन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, राज्य में वर्ष 2025 में करीब सवा तीन करोड़ पर्यटक पहुंचे। इसी तरह उत्तराखंड में वर्ष 2025 में रिकॉर्डतोड़ पर्यटक पहुंचे। इस दौरान यहां आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं की संख्या छह करोड़ से अधिक रही, जिनमें 1.92 करोड़ विदेशी पर्यटक थे। इसमें सबसे अधिक पर्यटक हरिद्वार, देहरादून और टिहरी क्षेत्रों में आए। पर्यटन के इस विस्तार का एक सकारात्मक पक्ष भी है। लंबे समय से पलायन, बेरोजगारी और सीमित आर्थिक अवसरों से जूझ रहे हिमालयी क्षेत्रों में पर्यटन ने आय के नए स्रोत उपलब्ध कराए हैं। अनेक गांवों में घरों में पर्यटकों को ठहराने (होमस्टे) की संस्कृति विकसित हुई है। इसके अलावा स्थानीय युवाओं को रोजगार मिला है। परिवहन, हस्तशिल्प, भोजनालय और अन्य सेवा क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ी हैं। कई परिवार, जो पहले केवल पारंपरिक कृषि या सीमित आजीविका पर निर्भर थे, अब पर्यटन से जुड़कर अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर रहे हैं। इस दृष्टि से पर्यटन ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा का संचार किया है। मगर इस उत्साहजनक परिदृश्य के बीच एक मूलभूत प्रश्न लगातार उभरता जा



रहा है कि क्या हिमालयी क्षेत्र विकास की वर्तमान गति और स्वरूप को वहन करने की क्षमता रखता है? यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि हिमालय दुनिया की सबसे युवा और संवेदनशील पर्वत-श्रृंखलाओं में से एक है और यहां की ढलानें अपेक्षाकृत अस्थिर तथा जलस्रोत सीमित हैं। हिमालयी क्षेत्रों में पिछले वर्षों में

ऐसी अनेक घटनाएं हुई हैं, जो ढांचगत विकास और पर्यावरण संरक्षण को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। यहां बार-बार होने वाले भूस्खलन और अनियंत्रित निर्माण गतिविधियों से उत्पन्न संकट हमें यह याद दिलाता है कि यदि पर्यटन विकास की प्रक्रिया में स्थानीय पारिस्थितिकी की अनदेखी की जाती है, तो उसका

परिणाम दीर्घकालिक संकट के रूप में सामने आ सकता है। देश में पर्यटन विकास का मूल्यबॉन प्रायः पर्यटकों की संख्या, होटल के कमरों की संख्या में वृद्धि, सड़क निर्माण और निवेश की मात्रा के आधार पर किया जाता है। यह पैमाना मैदानी क्षेत्रों में कुछ सीमा तक उपयुक्त हो सकता है, मगर हिमालयी क्षेत्रों के लिए यह पर्याप्त नहीं है। किसी भी पर्वतीय क्षेत्र में वास्तविक प्रश्न यह होना चाहिए कि पर्यटन स्थानीय समाज, संस्कृति, पर्यावरण और संसाधनों को कितना सशक्त बना रहा है। यदि किसी क्षेत्र में पर्यटन के कारण जलस्रोतों पर अत्यधिक दबाव बढ़ रहा हो, कचरे का संकट उत्पन्न हो रहा हो, स्थानीय स्थापत्य नष्ट हो रहा हो और सांस्कृतिक पहचान कमजोर पड़ रही हो, तो उस विकास की सफलता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के अनेक पर्यटन स्थलों पर यह स्थिति स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। पहाड़ों की सीमित वहन क्षमता वाले क्षेत्रों में बड़ी संख्या में होटल, रेस्तरां और व्यावसायिक प्रतिष्ठान विकसित हो रहे हैं। सड़कों को चौड़ा करने के लिए पहाड़ों को खोदा जा रहा है और निर्माण कार्यों के लिए वनों को काटा जा रहा है। इससे न केवल इन क्षेत्रों का पारंपरिक एवं प्राकृतिक सौंदर्य प्रभावित हो रहा है, बल्कि पर्यावरण पर भी इसका विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। इसके अलावा पर्यटन गतिविधियों के विस्तार से जल, भूमि और ऊर्जा संसाधनों पर भी अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। साथ ही वाहनों के बढ़ते दबाव से यातायात अव्यवस्था और कचरे की समस्या भी लगातार बढ़ रही है। यह स्थिति संकेत देती है कि पर्यटन विकास की वर्तमान दिशा पर पुनर्विचार की आवश्यकता है। विशेष चिंता का विषय यह है कि हिमालयी क्षेत्रों में विकास की अवधारणा अक्सर मैदानी मॉडल से प्रभावित दिखाई देती है। चौड़ी सड़कों, विशाल भवनों और बड़े होटल परिसरों को प्राप्ति का प्रतीक माना जाता है, जबकि पर्वतीय क्षेत्रों की भौगोलिक और पारिस्थितिक सीमाएं भिन्न हैं।

दुनिया किसी वाहने वाले की शर्त से नहीं चलती, सब परस्पर निर्भरता से जीते

(क्षमा शर्मा)

किसी डाक्टर से जब इलाज कराने जाते हैं, तब वह बीमारी देखकर दवाएं देगा। ये दवाएं वे होंगी, जो हमारे लिए जरूरी हैं, न कि वे जिन्हें हम खाना चाहते हैं।अक्सर लेखों, भाषणों और किताबों में एक बात पढ़ने को मिलती है कि हमें अपनी शर्तों पर जीवन जीना चाहिए। ये शर्तें क्या हैं, क्यों हैं, कैसी हैं, किसलिए हैं, कोई नहीं बताता। अगर इसे जीवन के तमाम पक्षों पर घटित किया जाए, तो पता चलता है कि ऐसी बातें सिर्फ मन मोदक की तरह ही हैं। जैसे कि जिस किताब को आप पढ़ रहे हैं, उसे किसी और ने लिखा है। किसी ने छपा है।

लेखक ने अपनी पसंद की किताब लिखी है, या हो सकता है प्रकाशक ने लिखवाई हो। किसी वाणिज्यिक वेबसाइट या किसी दुकान से खरीदी गई है। यह ठीक है कि इसे पाठक की रुचियों के हिसाब से ही तैयार किया गया हो, लेकिन जरूरी नहीं कि सभी को पसंद आए। यानी कि जब हम इसे पढ़ रहे हैं, तो रुचि, अरुचि तो हो सकती है, लेकिन शायद वे शर्तें इस पर लागू न हों, जो हमारी हों।

इसी तरह जब कोई कहीं भाषण देने गया है, तो उसे किसी और ने बुलाया होता है। मंच किसी संस्थान का है, माइक किसी और का। कुर्सियों और पानी का इंतजाम भी। भाषण देने वालों में जो लोग होंगे, वे भी वही नहीं बोलेंगे, जो हम चाहते हैं। बोलने का समय कितना है, इसे किसी और ने ही तय किया होता है। बोलने का विषय भी बताया गया है। ऐसे में जो बोलने वाला है, उस पर पहले से ही बहुत कुछ थोपा गया है।

अब कोई यह मान ले कि वह विषय से बाहर जाकर बोलेंगा, जितने समय चाहे बोलेंगा, मंच से नीचे आकर बोलेंगा, तो क्या वाकई ऐसा हो पाएगा। अगर कोई लेखक एक लेख लिख रहा है, तो अखबार या पत्रिका को क्या चाहिए, यह पहले से ही पता होगा। लेख कितने शब्दों का होगा, यह जानकारी भी अवश्य होगी। हालांकि कई बार लोग निर्धारित शब्दों से काफी कम या फिर काफी ज्यादा बड़ा लेख भेज देते हैं।

इसके अलावा, लेख में क्या हो, इसके मुकाबले क्या नहीं होना चाहिए, यह भी पता होना चाहिए। मगर वह कब छपेगा, इसे कोई और ही तय करेगा। फिर जिस कागज पर छपेगा, वह कहीं और से आया होगा। छापने के लिए जो स्थाई इस्तेमाल हुई होगी, वह भी किसी कंपनी की होगी। अखबार पाठक तक पहुंचने के लिए न जाने कितने लोगों के हाथों से

गुजरा होगा। यानी कि वे शर्तें उसकी नहीं होंगी, जिसने एक लेख लिखा है।

इसी तरह किसान अपने खेत में क्या बोए, यह मौसम और बाजार की जरूरत के हिसाब से ही तय होगा। यह नहीं कि किसान की मर्जी क्या है, इस बात से फसल उगेगी। फिर खेत में पानी या तो बारिश से आएगा या ट्यूबवेल से। फसल की गुड़ाई, निराई, कटाई, बाजार तक पहुंचने में बहुत-सी मशीनों और मानवीय श्रम की जरूरत होगी।

इसी तरह किसी डाक्टर से जब इलाज कराने जाते हैं, तब वह बीमारी देखकर दवाएं देगा। ये दवाएं वे होंगी, जो हमारे लिए जरूरी हैं, न कि वे जिन्हें हम खाना चाहते हैं। हां, किसी दवा से एलर्जी है, तो वह अलग बात है। न ही ऐसा कह सकता है कि मनमाफिक दवा मिल सके।

दूर क्यों जाया जाए, अगर हम किसी सड़क पर चल रहे हैं तो दाएं, बाएं देखकर चलना पड़ता है। कौन-सी बस, मेट्रो, कैब, ट्रेन, जहाज अपने निर्धारित समय पर आएगा, अगर यह पता न हो, तो कहीं समय से नहीं पहुंच सकते। इनका आना-जाना हमारी अपनी जरूरत के अनुसार नहीं होता है। हमें इनके हिसाब से चलना पड़ता है। अगर हम कार चला रहे हैं, तो न केवल दाएं और बाएं, बल्कि पीछे भी देखना पड़ता है।

कार की रफ्तार भी सड़क की भीड़-पानी का इंतजाम भी। भाषण देने वालों में जो लोग होंगे, वे भी वही नहीं बोलेंगे, जो हम चाहते हैं। बोलने का समय कितना है, इसे किसी और ने ही तय किया होता है। बोलने का विषय भी बताया गया है। ऐसे में जो बोलने वाला है, उस पर पहले से ही बहुत कुछ थोपा गया है।

अब कोई यह मान ले कि वह विषय से बाहर जाकर बोलेंगा, जितने समय चाहे बोलेंगा, मंच से नीचे आकर बोलेंगा, तो क्या वाकई ऐसा हो पाएगा। अगर कोई लेखक एक लेख लिख रहा है, तो अखबार या पत्रिका को क्या चाहिए, यह पहले से ही पता होगा। लेख कितने शब्दों का होगा, यह जानकारी भी अवश्य होगी। हालांकि कई बार लोग निर्धारित शब्दों से काफी कम या फिर काफी ज्यादा बड़ा लेख भेज देते हैं।

इसके अलावा, लेख में क्या हो, इसके मुकाबले क्या नहीं होना चाहिए, यह भी पता होना चाहिए। मगर वह कब छपेगा, इसे कोई और ही तय करेगा। फिर जिस कागज पर छपेगा, वह कहीं और से आया होगा। छापने के लिए जो स्थाई इस्तेमाल हुई होगी, वह भी किसी कंपनी की होगी। अखबार पाठक तक पहुंचने के लिए न जाने कितने लोगों के हाथों से

इस नियम से प्रदूषण भी कितना हटा है, सब जानते हैं। ऐसे वक्त में भी प्रदूषण का स्तर उंचा रहता है, जब प्रदूषण फैलाने वाले कारक अपने निचले स्तर पर रहते हैं। यानी कुल मिलाकर अगर यह जीवन है, तो प्रति पल हमें दूसरों के साथ मिलकर जीना पड़ता है।

पर्यटकों की भीड़ से कराह रहे पहाड़, क्या हिमालय अपनी सीमा तक पहुंच चुका है?

(चंद्रशेखर तिवारी)

वैश्विक ताप के अस्सर से पिछले कुछ वर्षों में पहाड़ी राज्यों में पर्यटन तेजी से बढ़ा है। निस्संदेह इससे राजस्व संसाधनों के नए द्वार खुले हैं, लेकिन इससे पहाड़ों की पारिस्थितिकी के लिए नई चुनौतियां भी पैदा हो गई हैं। हिमालय केवल एक पर्वत-श्रृंखला नहीं है। यह भारतीय उपमहाद्वीप की जल, जंगल, जैव-विविधता, संस्कृति और सभ्यता का आधार स्तंभ है। अपनी भौगोलिक विशिष्टता, लोक-सांस्कृतिक परंपराओं और आध्यात्मिक आभा के कारण हिमालय सदियों से मानव समाज को आकर्षित करता रहा है। इसकी बर्फी से ढकी ऊंची चोटियां, गहरी घाटियां, कल-कल बहती नदियां, घने वन, प्राचीन तीर्थ स्थल और लोक-स्मृतियां इसे विश्व की अद्वितीय प्राकृतिक धरोहरों में स्थान दिलाती हैं। यही कारण है कि साधकों, श्रद्धालुओं, पर्वतारोहियों और प्रकृति-प्रेमियों का हिमालय के प्रति एक विशेष लगाव बना रहा है। मगर, वैश्विक ताप के अस्सर से पिछले कुछ वर्षों में पहाड़ी राज्यों में पर्यटन तेजी से बढ़ा है। निस्संदेह इससे राजस्व संसाधनों के नए द्वार खुले हैं, लेकिन इससे पहाड़ों की पारिस्थितिकी के लिए नई चुनौतियां भी पैदा हो गई हैं। हाल के वर्षों में हिमालयी क्षेत्रों, विशेषकर हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में पर्यटन गतिविधियों का बेतहाशा विस्तार हुआ है। पर्यटन को अब विकास के प्रमुख साधन के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। विभिन्न माध्यमों से पर्यटन के प्रचार से इन राज्यों में पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हिमाचल प्रदेश में ज्वालाजी, नैना देवी, चामुंडा देवी और मणिकर्ण के अलावा शिमला, डलहौजी, कुडू-मनाली, रोहतांग दर्रा, स्पीति घाटी और पावती घाटी जैसे स्थलों पर पर्यटकों की भीड़ बढ़ रही है। इसी तरह उत्तराखंड में हरिद्वार, देहरादून और चारधाम यात्रा के अलावा औली, मसुरी, बुग्याल, हरकीदून, रूपकुंड, नैनीताल, सुंदरबंगा, छोटा कैलाश तथा पिंडारी जैसे स्थलों की लोकप्रियता भी तेजी से बढ़ी

कांकेर में मलेरिया का तांडव: दो नौ वर्षीय स्कूली बच्चों की मौत से हड़कंप, 11 से अधिक छात्र संक्रमित

डोमाहरा और मर्दापोटी के दो बच्चों ने तोड़ दम, हॉस्टलों में अचानक आउटब्रेक से अलर्ट मोड पर स्वास्थ्य विभाग व जिला प्रशासन कांकेर



कांकेर। कांकेर जिले में मलेरिया का प्रकोप तेजी से पांव पसार रहा है। बीते दो दिनों के भीतर मलेरिया की चपेट में आने से दो नौ वर्षीय स्कूली बच्चों की असामयिक मौत हो गई है, जिससे पूरे क्षेत्र में भय और हड़कंप का माहौल है। वहीं दूसरी ओर, इरादाह और मर्दापोटी छात्रावासों में रहने वाले 11 से अधिक छात्र मलेरिया पॉजिटिव पाए गए हैं। लगातार सामने आ रहे मामलों को गंभीरता से लेते हुए स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, डोमाहरा निवासी तीन सगी बहनों को तेज बुखार की शिकायत के बाद जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां उपचार के दौरान 9 वर्षीय करीना विश्वकर्मा की 25 जुलाई को मौत हो गई, जबकि उसकी दो अन्य बहनों का अस्पताल में इलाज जारी है। दूसरी घटना मर्दापोटी छात्रावास की है, जहां सिर दर्द और तेज

बुखार की शिकायत पर छात्रों की स्वास्थ्य जांच की गई। शुरुआत में चार छात्र मलेरिया पॉजिटिव मिले। इनमें से 9 वर्षीय छात्र सुभाष कुमेटी की स्थिति बिगड़ने पर परिरज उसे अपने साथ ले

गए थे। रविवार सुबह तबीयत अत्यधिक खराब होने पर उसे पुनः जिला अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों के अथक प्रयासों के बावजूद उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

हॉस्टलों और प्रभावित गांवों में लगे स्वास्थ्य शिविर

मामला उजागर होते ही स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने प्रभावित छात्रावासों और गांवों में डेरा डाल दिया है। इरादाह और मर्दापोटी में विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाकर बच्चों की जांच, रक्त नमूने लेने, दवा वितरण एवं त्वरित उपचार की व्यवस्था की जा रही है। विभाग द्वारा जिले के सभी छात्रावासों में विशेष निगरानी और लगातार स्वास्थ्य परीक्षण के सख्त निर्देश जारी किए गए हैं।

22 जुलाई तक नहीं था कोई मामला, अचानक बढ़ा संक्रमण: अधिकारी

मामले पर जानकारी देते हुए आदिम जाति कल्याण विभाग की सहायक आयुक्त जया मन्नू ने बताया कि 22 जुलाई को सभी छात्रावासों में बच्चों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया था, उस समय कोई भी बच्चा मलेरिया से संक्रमित नहीं पाया गया था। 24 जुलाई के बाद अचानक मामले सामने आने शुरू हुए हैं। वहीं, कांकेर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (एसआर) डॉ. आर. सी. ठाकुर ने कहा, «जिले में अचानक मलेरिया का आउटब्रेक देखा जा रहा है। हमारी स्वास्थ्य टीमें लगातार हॉस्टलों और संवेदनशील क्षेत्रों का दौरा कर परीक्षण कर रही हैं। 22 तारीख तक जिन बच्चों की जांच हुई थी वे नेगेटिव थे, लेकिन 24 तारीख के बाद अचानक मामले बढ़े और दो मासूमों की जान चली गई। वर्तमान में इरादाह और मर्दापोटी सहित सभी छात्रावासों में स्वास्थ्य शिविर लगाकर सतर्कता बरती जा रही है। रोकथाम व नियंत्रण पर प्रशासन की नजर अचानक फैले इस प्रकोप के बाद अब प्रशासन की प्राथमिक प्राथमिकता संक्रमण की रोकथाम और मरीजों को त्वरित इलाज उपलब्ध कराना है। देखना होगा कि स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन इस बढ़ते प्रकोप पर कितनी जल्द पूरी तरह से काबू पाता है।

दरभा के जैगूर में सामूहिक रूप से सुनी गई ‘मन की बात’, वनाधिकार पत्रों का वितरण

प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने ‘हर घर तिरंगा’ अभियान का शुभारंभ किया

‘एक पेड़ मां के नाम’ के तहत पौधारोपण; 120 युवाओं ने ली भाजपा की सदस्यता

बीजापुर। बिते रविवार को भैरमगढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत दरभा के जैगूर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ‘रेडियो कार्यक्रम ‘मन की बात’ के 136वें संस्करण का सामूहिक श्रवण किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। बड़ी संख्या में ग्रामीणों, महिलाओं, युवाओं, विद्यार्थियों, जनप्रतिनिधियों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम में भाग लेकर प्रधानमंत्री



का संबोधन सुना। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि दरभा कभी घोर नक्सल प्रभावित क्षेत्र माना जाता था, जहां पहुंचना भी कठिन था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और गृह मंत्री विजय शर्मा के नेतृत्व में किए गए प्रयासों से क्षेत्र में शांति और

विकास का वातावरण बना है। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता इस सकारात्मक बदलाव का प्रमाण है। ‘मन की बात’ कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भारतीय सैनिकों के साहस और बलिदान को नमन किया। उन्होंने आत्मनिर्भर

भारत, स्वदेशी रक्षा उत्पादन, जनभागीदारी, पर्यावरण संरक्षण, ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान, युवाओं के नवाचार और विकसित भारत के निर्माण में उनकी भूमिका पर विस्तार से अपने विचार रखे। साथ ही छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में जल संरक्षण के कार्यों की सराहना भी की। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री के संदेशों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के बाद प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने छह पात्र हितग्राहियों को व्यक्तिगत वनाधिकार पत्र वितरित किए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनजातीय समाज के अधिकारों की रक्षा और उनकी आजीविका को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

समरसता और तिरंगा अभियान को जनआंदोलन बनाने पर भाजपा का जोर

कार्यशाला में संगठनात्मक रणनीति तय, यशवंत जैन ने कार्यकर्ताओं को दिए मूलमंत्र

बीजापुर। भाजपा जिला कार्यालय अटल सदन में रविवार को श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान और हर घर तिरंगा-तिरंगा यात्रा को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। बैठक में दोनों अभियानों को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाने के लिए संगठनात्मक रणनीति बनाई गई तथा कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां तय की गईं। भाजपा प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन ने कहा कि श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान समाज में समानता, सामाजिक समरसता और सद्भाव को मजबूत करने का माध्यम है। वहीं हर घर तिरंगा अभियान प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना से जोड़ने का अभियान है।



उन्होंने कार्यकर्ताओं से अधिकतम जनसहभागिता सुनिश्चित करते हुए दोनों अभियानों को जनआंदोलन का रूप देने का आह्वान किया। दत्तेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी ने कहा कि समरसता संकल्प अभियान सामाजिक एकता को मजबूत करेगा, जबकि हर घर तिरंगा अभियान नागरिकों में राष्ट्रभक्ति की भावना को और सशक्त बनाएगा। उन्होंने प्रत्येक कार्यकर्ता से अपने घर पर तिरंगा पहनने, केंद्र और

आगे बढ़ने की आवश्यकता है। कार्यशाला में अभियान की रूपरेखा, आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों और विभिन्न स्तरों पर जिम्मेदारियों के निर्धारण पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम के समापन पर संगठन को और अधिक सशक्त बनाने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया गया। कार्यशाला में पूर्व मंत्री महेश गागाड़ा, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष जी. वेंकट, प्रदेश प्रवक्ता टिकेश्वर जैन, जिला प्रभारी दीपेश अशोरा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीनिवास मुदलियार, भाजपा जिलाध्यक्ष घासीराम नाग, जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा, जिला उपाध्यक्ष सतेंद्र ठाकुर और दयाशंकर पटेल, महामंत्री संजय लुक्कड़ एवं पूलचंद गागड़ा।

शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा छात्रों और राहुल गांधी के संघर्ष की जीत : विक्रम मंडावी

शिक्षा व्यवस्था को कमजोर करने का लगाया आरोप, सख्त कानून बनाने की मांग की



बीजापुर। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे पर बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी ने प्रतिक्रिया देते हुए इसे देश के करोड़ों छात्रों, युवाओं और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के निरंतर संघर्ष का परिणाम बताया है। रविवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने कहा कि छात्रों की आवाज और अन्याय के खिलाफहुए आंदोलन ने सरकार को निर्णय लेने के लिए

मजबूर किया। मंडावी ने कहा कि पिछले कुछ समय में राष्ट्रीय स्तर की कई प्रतियोगी परीक्षाओं में हुए पेपर लीक ने लाखों विद्यार्थियों के भविष्य पर सवाल खड़े किए हैं। उनका आरोप है कि इन घटनाओं से युवाओं की मेहनत और उनके अभिभावकों के सपनों को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने

कहा कि जब देश का युवा अपने अधिकारों के लिए सड़कों पर उतरता है तो सरकारों को भी झुकना पड़ता है।विधायक ने केंद्र सरकार की शिक्षा नीति की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि सरकारी शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के बजाय उसे लगातार कमजोर किया जा रहा है। उनके अनुसार निजी स्कूलों और शिक्षण संस्थानों को बढ़ावा मिलने से आम, गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों पर शिक्षा का आर्थिक बोझ बढ़ा है, जबकि शिक्षा और रोजगार के मुद्दों पर युवाओं को आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

स्मार्ट मीटर हटाओ, जनता को राहत दिलाओ अभियान 27 जुलाई से शुरू

कांकेर। कांकेर बढ़ते बिजली बिलों एवं स्मार्ट मीटर से उपभोक्ताओं पर पड़ रहे आर्थिक बोझ को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, कांकेर द्वारा सोमवार, 27 जुलाई 2026 से शहर कांकेर में «स्मार्ट मीटर हटाओ» अभियान की शुरुआत की जाएगी। इस अभियान की रूपरेखा एवं आगामी रणनीति को लेकर आज राजीव भवन, कांग्रेस कार्यालय, कांकेर में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान को सफल बनाने एवं शहर के प्रत्येक वार्ड तक पहुंचकर आम नागरिकों को जोड़ने का निर्णय लिया गया। अभियान के तहत शहर के



विभिन्न वार्डों में आम नागरिकों से संपर्क कर स्मार्ट मीटर बदलने के लिए आवेदन पत्र (फॉर्म) वितरित किए जाएंगे। भरे हुए आवेदन पत्र एकत्रित कर सामूहिक रूप से बिजली विभाग को सौंपे जाएंगे, ताकि उपभोक्ताओं की मांग पर शीघ्र कार्रवाई हो सके। इस संबंध में शहर

समस्या को गंभीरता से लेते हुए उनके साथ मजबूती से खड़ी है। करानी ने कहा कि शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी का उद्देश्य जनता की आवाज़ को शासन एवं बिजली विभाग तक पहुंचाना है। यदि स्मार्ट मीटर बदलने एवं बढ़े हुए बिजली बिलों की समस्या का शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो कांग्रेस चरणबद्ध आंदोलन करेगी। इसके अंतर्गत पहले बिजली विभाग को ज्ञापन एवं आवेदन सौंपे जाएंगे। इसके बाद भी मांगें पूरी नहीं होने पर बिजली विभाग का अग्रस्थान धरना-प्रदर्शन एवं पुतला दहन कर जनआंदोलन को और तेज किया जाएगा।जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री उदय प्रकाश शर्मा ‘बंटी’

ने शहरवासियों से अपील की कि अधिक से अधिक संख्या में इस अभियान से जुड़ें, आवेदन पत्र भरें और अपने अधिकारों की लड़ाई में कांग्रेस का साथ दें, ताकि जनता को बढ़ते बिजली बिलों से राहत मिल सके। आज के इस कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष यासीन करानी जिला महामंत्री उदय प्रकाश शर्मा बंटी, मनोज जैन, अजय भास्वानी, मुकेश तिवारी, बबलू देवांगन, आलोक श्रीवास्तव, मुन्ना इसहाक अहमद, शेष गजबिज, सुमित राय, संत मांझवी, सूरज सोनकर, पंचराम सलाम, रंजन गौस्वामी, अशोक डूबे, राहुल नाग अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

एनएमडीसी बैलाडीला कबड्डी लीग (सीरीज़-1) का भव्य उद्घाटन

बचेली/किरंदुल। नवरत्न कंपनी एनएमडीसी लिमिटेड द्वारा अपने नैगम सामाजिक दायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम के अंतर्गत ‘एनएमडीसी बैलाडीला कबड्डी लीग - सीरीज 1’ का उद्घाटन बचेली स्थित हॉकी ग्राउंड में उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। 23 से 26 जुलाई तक आयोजित होने वाली इस मेगा कबड्डी लीग में बैलाडीला क्षेत्र के 26 गांवों की 24 टीमें बड़े जोश के साथ भाग ले रही हैं। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को तराशना, उन्हें पहचान दिलाना और आगे बढ़ने के लिए एक राष्ट्रीय मंच प्रदान करना है। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रबीन्द्र नारायण (अधिशासी निदेशक, बीआईओएम, किरंदुल कॉम्प्लेक्स तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में कोडाली श्रीधर (मुख्य महाप्रबंधक, बीआईओएम, बचेली कॉम्प्लेक्स), भान सिंह यादव (मुख्य महाप्रबंधक, वक्र्स, बचेली), नंदराम मूड़मी (अध्यक्ष, जिला पंचायत,



दत्तेवाड़ा), अरविंद कुंजाम (उपाध्यक्ष, जिला पंचायत, दत्तेवाड़ा), सोमडू कडती (सदस्य, जिला पंचायत, दत्तेवाड़ा), विभिन्न ग्राम पंचायतों के सम्मानित सरपंचगण उपस्थित थे। इसके अतिरिक्त समारोह में एनएमडीसी हैदराबाद मुख्यालय के अधिकारी, बैलाडीला लोह अयस्क खदान (किरंदुल एवं बचेली) के

अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा खेल सलाहकार समिति के सदस्य उपस्थित रहे। यह प्रतियोगिता बचेली के हॉकी मैदान और किरंदुल स्थित फुटबॉल स्टेडियम में आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में निम्नांकित टीमें भाग ले रहे हैं। बचेली क्षेत्र की टीमें: मोलसनार, दुगेली, पाढ़पुर, बेनपाल, बड़े कमेली, कमालूर, झिरका,

धुरली, गामावाड़ा, नेरली, बड़े बचेली, मसेनार, गंजेनार एवं भांसी। किरंदुल क्षेत्र की टीमें: कोडेनार, डमपाल, मदाड़ी, चोलनार, टिकनपाल, कलेपाल, समलवार, मड़कामिरास, हिरोली, कुट्टेम, गुमियापाल एवं तनेली। एनएमडीसी द्वारा सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स किट और खेल सामग्री प्रदान की गई है। इस शुभ अवसर पर

रबीन्द्र नारायण, मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में खेल संस्कृति को बढ़ावा देना, युवाओं को सकारात्मक दिशा देना और स्थानीय खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना है। एनएमडीसी के अधिकारी गांव-गांव पहुंचकर आवश्यक सुविधाएं सुझाया कर रहे हैं। विशिष्ट अतिथि नंदराम मूड़मी एवं अरविंद कुंजाम ने क्षेत्र में एनएमडीसी द्वारा चलाए जा रहे विकास कार्यों की सराहना की तथा खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। सामाजिक प्रतिबद्धता के भाग के रूप में ग्रामीण क्षेत्रों की छिपी प्रतिभाओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने की दिशा में यह आयोजन एनएमडीसी की एक महत्वपूर्ण पहल है। कंपनी अपने सीएसआर कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, कौशल विकास और सामुदायिक विकास के क्षेत्रों में निरंतर कार्य करते हुए स्थानीय समुदायों के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।



किरंदुल। नगर पालिका परिषद किरंदुल के सभा कक्ष में राज्य शासन द्वारा मनोनीत एल्टरमैनों का शपथ ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में नव-नियुक्त एल्टरमैनों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ लेकर अपने दायित्वों का विधिवत निर्वहन शुरू किया। अनुविभागीय दंडाधिकारी ने राज्य शासन द्वारा मनोनीत एल्टरमैन संजीव दास, शेख नजमुल हक, पी. श्रीनु, जोशना सवाई और सुनीता साहू को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ निर्वहन

करेंगे। उन्होंने कहा कि नगर के 18 वार्डों में विकास, जनहित के कार्यों और नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए वे हमेशा सक्रिय रहेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दत्तेवाड़ा विधायक चैतराम अटामी विशिष्ट अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष गुप्ता तथा अध्यक्षता नगर पालिका परिषद किरंदुल का अध्यक्ष रूबी शैलेंद्र सिंह ने की, नगर पालिका उपाध्यक्ष बबलू सिद्दीकी भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय सोढी सहित पार्षदगण बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।समापन में मुख्य नगरपालिका अधिकारी शशि भूषण महापात्र ने सभी अतिथियों और उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

जिला पंचायत की बैठक 30 जुलाई को

बिलासपुर। जिला पंचायत की बैठक 30 जुलाई 2026 को आहूत की गई है। इसके अंतर्गत सामान्य सभा की बैठक दोपहर 12 बजे एवं सामान्य प्रशासन समिति की बैठक दोपहर 3 बजे होगी। बैठक की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी करेंगे। सामान्य सभा की बैठक में लोक निर्माण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना एवं 16 वें वित्त आयोग अंतर्गत कार्ययोजना के निर्माण पर चर्चा की जाएगी। सामान्य प्रशासन समिति की बैठक में पूर्व बैठक का पालन प्रतिवेदन तथा अध्यक्ष श्री सूर्यवंशी की अनुमति से अन्य विषयों पर चर्चा की जाएगी।

जिले के किसान 31 जुलाई तक करा

सकेंगे उद्यानिकी फसलों का बीमा

बिलासपुर। उद्यानिकी फसल उत्पादन कर रहे किसानों के लिए टमाटर, बैंगन, मिर्च, अदरक, केला, पपीता एवं अमरूद के लिये खरीफ वर्ष 2026–27 अंतर्गत पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना छत्तीसगढ़ सरकार के सहयोग से भारतीय कृषि बीमा कंपनी के द्वारा संचालित की जा रही है। उप संचालक उद्यानिकी से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के इच्छुक ऋणी एवं अऋणी कृषक 31 जुलाई 2026 तक निकटतम लोक सेवा केन्द्र, बैंक शाखा, सहकारी समिति या भारतीय कृषि बीमा कंपनी के प्रतिनिधि से संपर्क कर अपने उद्यानिकी फसलों का बीमा करा सकते हैं। योजना के संबंध में अधिक जानकारी के लिए उद्यानिकी विभाग में कार्यरत अधिकारियों एवं बीमा कंपनी के प्रतिनिधि से संपर्क किया जा सकता है। इस हेतु बीमा कंपनी के प्रतिनिधि श्री थानेश्वर साहू मो०न० 99071-22727, तखतपुर के उद्यान विकास अधिकारी श्री जैनेन्द्र कुमार पैकार 6265981957, कोटा के वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी श्री रामनाथ सिंह नेताम 7828815637, मस्तुरी की प्रभारी उद्यान अधीक्षक श्रीमती निशा चंदेल 7000441324 एवं बिल्हा के प्रभारी उद्यान अधीक्षक श्री राकेश कुमार सेन्ट्रे 7000181970 से संपर्क कर अधिक जानकारी ली जा सकती है। चयनित उद्यानिकी फसलों खरीफके लिए किसानों द्वारा द्वेय प्रीमियम दर बीमित राशि का 5 प्रतिशत है। बिलासपुर जिले में खरीफमौसम के फसलों हेतु 200 हेक्टेयर का लक्ष्य निर्धारित है। टमाटर फसल के लिए प्रति हेक्टेयर बीमित राशि 1 लाख 20 हजार रुपए एवं किसान देय प्रीमियम राशि 6 हजार, बैंगन के लिए बीमित राशि 77 हजार रुपए एवं प्रीमियम राशि 3 हजार 850 रुपए, मिर्च के बीमित राशि 68 हजार रुपए एवं प्रीमियम राशि 3 हजार 400 रुपए, अदरक के लिए बीमित राशि 1 लाख 50 हजार रुपए एवं प्रीमियम 7500 रुपए, केला के लिए बीमित राशि 85 हजार एवं प्रीमियम राशि 4 हजार 250, पपीता के लिए बीमित राशि 87 हजार एवं प्रीमियम राशि 4 हजार 350 और अमरूद के लिए बीमित राशि 45 हजार एवं प्रीमियम राशि 2 हजार 250 रुपए निर्धारित है। किसानों के हानि का मूल्यांकन अधिसूचित क्षेत्र में स्थापित स्वचालित मौसम केंद्र से प्राप्त 4 आवरित जोखिमों जैसे कम या अधिक तापमान, कम या अधिक या बेमौसम वर्षा, वायु गति, कोट एवं व्याधि प्रकोप के अनुकूल मौसम के प्रमाणित आंकड़ों एवं अधिसूचित टर्मशिट के अनुसार दावा गणना की जाएगी। दावा राशि का भुगतान सीधे किसानों के खाते में किया जाएगा। खरीफमौसम के टमाटर, बैंगन, अमरूद, केला, पपीता, मिर्च एवं अदरक फसल हेतु ओलावृष्टि हवाएं की स्थिति में कृषक इसकी सूचना सीधे बीमा कम्पनी के टोल फ्री नं. 18004190344 पर तथा टोटल शिकायत निवारण पोर्टल या लिखित रुप में 72 घंटे के भीतर संबंधित बैंक, स्थानीय राजस्व एवं संबंधित क्षेत्र के उद्यान अधिकारी को बीमित फसल के ब्यौरे, क्षति की मात्रा तथा क्षति का कारण सहित सूचित करना होगा। संबंधित संस्था/विभाग 48 घंटा के भीतर कृषकों से प्राप्त जानकारी (बीमित फसल के ब्यौरे, क्षति की मात्रा तथा क्षति के कारण सहित) बीमा कंपनी को प्रदान करेंगे। ऋणी किसान जो योजना में शामिल नहीं होना चाहते हैं, उन्हें भारत सरकार द्वारा जारी चयन प्रपत्रनुसार हस्ताक्षरित घोषणा पत्र बीमा आवेदन की अंतिम तिथि के 7 दिवस पूर्व तक संबंधित वित्तीय संस्थान में अनिवार्य रूप से जमा करना होगा। जरूरी दस्तावेज – नवीनतम आधारकार्ड की कॉपी, नवीनतम भूमि प्रमाण पत्र, बी 1, पी 2 की कॉपी, बैंक पासबुक के पहले पन्ने की कॉपी जिस पर एकाउंट नंबर, आईएफ्सी कोड, बैंक का पता साफदिखाई दे रहा हो। फसल बुआई प्रमाण पत्र, किसान का वैध मोबाईल नंबर, बटाईदार, कास्तकार, साझेदार किसानों के लिए फसल साझा अथवा कास्तकार का घोषणा पत्र।

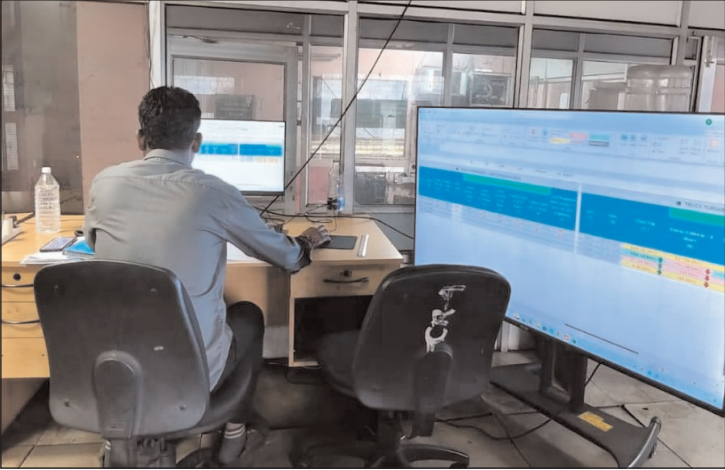
धान रोपाई कर रहे 3 ग्रामीणों पर

गिरी आसमानी कहर: तीनों की मौत

कोरबा। कटघोरा थाना क्षेत्र के छुरी स्थित सलोरा बकरा बाजार में शनिवार को आकाशीय बिजली गिरने से बड़ा हादसा हो गया। खेत में धान रोपाई का कार्य कर रहे तीन ग्रामीणों की गज की चपेट में आने से मौके पर ही गंभीर रूप से झुलस गए। उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटघोरा ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, छुरी बकरा बाजार सब-स्टेशन के पीछे स्थित खेत में करीब 25 से 30 ग्रामीण धान रोपाई के कार्य में जुटे थे। इसी दौरान अचानक मौसम बदला और तेज गबीर-चमक के बीच आकाशीय बिजली खेत की मेड़ पर आ गिरी। इसकी चपेट में आने से तीन ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि अन्य मजदूरों में अफ़ा-तफ़री मच गई।

एसईसीएल में कोयला डिस्पैच व्यवस्था को अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने की दिशा में सतर्कता विभाग की महत्वपूर्ण पहल

बिलासपुर। साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) में कोयला डिस्पैच व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, दक्ष एवं प्रभावी बनाने की दिशा में सतर्कता विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। निवारक सतर्कता (प्रिवेंटिव विजिलेंस) के अंतर्गत एसईसीएल की प्रमुख खदानों गेवरा, दीपका, कुसमुंडा एवं रायागढ़ में समर्पित ट्रक डिस्पैच मॉनिटरिंग कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं। इन कंट्रोल रूम का विकास एसईसीएल द्वारा इन-हाउस किया गया है, जो संगठन की तकनीकी क्षमता, नवाचार और विभिन्न विभागों के बीच प्रभावी समन्वय को दर्शाता है। इन कंट्रोल रूम में रियल-टाइम डिजिटल डैशबोर्ड के माध्यम से ट्रकों की आवाजाही, डिस्पैच की स्थिति तथा परिचालन संबंधी संभावित बाधाओं की निरंतर निगरानी की जा रही है। सतर्कता विभाग को इस पहल का उद्देश्य केवल अनियमितताओं की पहचान करना



ही नहीं, बल्कि प्रणालीगत सुधार (सिस्टमेटिक इम्प्रूवमेंट) के माध्यम से ऐसी परिस्थितियों की रोकथाम करना है, जो डिस्पैच प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब, अक्षमता अथवा पारदर्शिता की कमी का

कारण बन सकती हैं। रियल-टाइम मॉनिटरिंग के माध्यम से संभावित बाधाओं की शीघ्र पहचान कर समयबद्ध हस्तक्षेप संभव होगा तथा संबंधित हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जा

सकेगा। इस पहल से ट्रक टर्नअराउंड टाइम को कम करने, वाहनों के निर्गमन में होने वाले विलंब को न्यूनतम करने तथा कोयला डिस्पैच एवं निकासी की दक्षता बढ़ाने में महत्वपूर्ण सहायता मिलने की उम्मीद है। साथ ही, रियल-टाइम डेटा के आधार पर त्वरित एवं तथ्यपरक निर्णय लेने में भी सुविधा होगी।यह पहल केंद्रीय सतर्कता आयोग की निवारक सतर्कता की भावना के अनुरूप प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता को मजबूत करने की दिशा में स्थंश्चरु के सतर्कता विभाग के निरंतर प्रयासों को दर्शाती है। डिजिटल तकनीक, रियल-टाइम निगरानी और सक्रिय परिचालन प्रबंधन के समन्वय से स्थंश्चरु का सतर्कता विभाग कोयला डिस्पैच व्यवस्था में पारदर्शिता एवं प्रणालीगत सुधार को बढ़ावा देने के साथ-साथ तकनीक-सक्षम खनन एवं लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में नए मानदंड स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है।

कटाईनार और घुड़देवा में सफ़ाई व्यवस्था पर लापरवाही, प्रबंधन ने थमाया नोटिस

कोरबा। दक्षिण पूर्वी कोलफील्ड्स लिमिटेड कोरबा एरिया के सुराकछार-बलगी-बांकी उपक्षेत्र प्रबंधन ने कॉलोनियों की सफ़ाई व्यवस्था में लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए संबंधित ठेकेदार को चेतावनी जारी की है। निरीक्षण के दौरान कटाइनार और घुरुदेवा कॉलोनियों में सफ़ाई एवं रखरखाव कार्य असंतोषजनक पाए जाने पर प्रबंधन ने तत्काल व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए हैं। उपक्षेत्र प्रबंधक कार्यालय, सुराकछार-बलगी-बांकी द्वारा 24 जुलाई 2026 को जारी पत्र में बताया गया है कि सुराकछार टाउनशिप के आवासीय क्वाटरों की दो वर्ष की सफ़ाई एवं रखरखाव का कार्य ठेकेदार एम/एस योगेश कुमार सिंह को कायदेशि के तहत सौंपा गया है।

प्रतिबंधित अवधि में हसदेव बांगो जलाशय में अवैध मत्स्याखेट.....

कोरबा। मत्स्य संरक्षण अधिनियम के तहत घोषित प्रतिबंधित अवधि के दौरान अवैध मत्स्याखेट पर रोक लगाने तथा जलीय जीवों के संरक्षण के उद्देश्य से मछली पालन विभाग, जिला कोरबा द्वारा लगातार निगरानी एवं कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में विभाग की विशेष टीम ने आज हसदेव बांगो जलाशय क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टीम ने जलाशय के किनारे कुछ व्यक्तियों की गैर-कानूनी रूप से ‘गरी’ के माध्यम से मछली पकड़ते हुए पाया। विभागीय अधिकारियों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर उन्हें रोकते हुए पूछताछ की। पूछताछ में संबंधित व्यक्तियों ने बताया कि उन्हें वर्तमान में लागू मत्स्याखेट प्रतिबंध की जानकारी नहीं थी। इस पर विभागीय अधिकारियों ने उन्हें मत्स्य संरक्षण के महत्व, प्रजनन काल के दौरान मछलियों के संरक्षण की आवश्यकता तथा प्रतिबंधित अवधि में मत्स्याखेट पर लगाए गए प्रतिबंध के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि प्रतिबंधित अवधि में किसी भी प्रकार का मत्स्याखेट पूर्णतः प्रतिबंधित है तथा यह मत्स्य संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत दंडनीय अपराध है। अधिकारियों ने संबंधित व्यक्तियों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में यदि कोई भी व्यक्ति प्रतिबंधित अवधि के दौरान मछली पकड़ते हुए पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध मत्स्य अधिनियम के प्रावधानों के तहत नियमानुसार कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी तथा जुर्माने सहित अन्य दंडात्मक प्रावधान लागू किए जाएंगे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में आयोजित हुआ क्षेत्रीय संरक्षा संगोष्ठी

यदि कोई कार्य सुरक्षित ढंग से नहीं किया जा सकता,तो वह कार्य सही ढंग से किया ही नहीं जा सकता – तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय, बिलासपुर स्थित न्यू ऑडिटोरियम हॉल में आज दिनांक 27 जुलाई 2026 को प्रातः 10:00 बजे से सायंकाल 07:00 बजे तक क्षेत्रीय संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। रेलवे में संरक्षित, विश्वसनीय एवं निर्बाध रेल संचालन सुनिश्चित करने तथा संरक्षा संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस संगोष्ठी में श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी श्री अनूप सतपथी, सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष, तीनों रेल मंडलों के अधिकारी, वरिष्ठ पर्यवेक्षक, सभी सेफ्टी काउंसलर्स तथा विभिन्न विभागों के रेल कर्मचारियों ने भाग लिया। संरक्षा संगोष्ठी के प्रारंभ में सभी प्रतिभागियों का स्वागत



करते हुए कहा गया कि रेलवे में संरक्षा केवल नियमों के पालन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक कर्मचारी की कार्य संस्कृति, अनुशासन एवं सतर्कता से जुड़ी सतत प्रक्रिया है। इस अवसर पर यह भी बताया गया कि ऐसे संरक्षा सेमिनार विभिन्न विभागों के बीच अनुभवों के आदान-प्रदान तथा सर्वोत्तम कार्य-पद्धतियों को साझा करने का प्रभावी मंच

प्रदान करते हैं, जिससे संरक्षित एवं निर्बांध रेल संचालन को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सकता है। अपने संबोधन में महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने कहा कि रेलवे में संरक्षा केवल किसी एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि अधिकांश दुर्घटनाएँ बड़ी तकनीकी विफलताओं के कारण नहीं, बल्कि छोटी-

छोटी चूकों, नियमों की अनदेखी, निरीक्षण में कमी अथवा क्षणिक असावधानी के कारण होती हैं। इसलिए दुर्घटनाओं के बाद समीक्षा करने के साथ-साथ संभावित जोखिमों की समय रहते पहचान कर उनका प्रभावी निराकरण करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हमें निरंतर सीखते रहना होगा। सीखना केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि पूर्ण लगन, समर्पण एवं गंभीरता के साथ होना चाहिए।

प्रत्येक अनुभव, प्रत्येक निरीक्षण तथा प्रत्येक प्रशिक्षण से सीख लेकर उसे व्यवहार में उतारना ही संरक्षा संस्कृति को सुदृढ़ बनाने का सबसे प्रभावी माध्यम है। महाप्रबंधक ने कहा कि यदि कोई कार्य सुरक्षित ढंग से नहीं किया जा सकता, तो वह कार्य सही ढंग से किया ही नहीं जा सकता। उन्होंने अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों से कार्यस्थलों पर नियमित सेफ्टी काउंसलिंग, असुरक्षित परिस्थितियों की तत्काल रिपोर्टिंग तथा कर्मचारियों के सतत प्रशिक्षण एवं कौशल विकास पर विशेष बल देने का आह्वान किया। उन्होंने आधुनिक तकनीकों एवं स्वचालित प्रणालियों के प्रभावी उपयोग के साथ-साथ संरक्षा व्यवहार को भी समान महत्व देने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रातः 10:00 बजे प्रारंभ हुआ यह क्षेत्रीय संरक्षा संगोष्ठी सायंकाल 07:00 बजे तक दो तकनीकी सत्रों में आयोजित किया गया।

सेवा सेतु केन्द्र की त्वरित सेवा से खुश हुए शुभम यादव.....

■ नागरिक सुविधाओं को नई पहचान दे रहे सेवा सेतु केंद्र

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आम नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाएँ एक ही स्थान पर सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'सेवा सेतु केंद्र' संचालित किए जा रहे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से जाति, निवास, आय, विवाह, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र सहित अनेक आवश्यक सेवाओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है, जिससे आम लोगों का समय और श्रम दोनों की बचत हो रही है तथा शासन की सेवाओं तक उनकी पहुंच और अधिक सुगम बन रही है। इसी क्रम में विकासखंड 'मस्तुरी' के सेवा सेतु केंद्र में श्री 'शुभम यादव' ने विवाह प्रमाण पत्र बनवाने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया था। आवेदन प्राप्त होने के बाद आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए उनका विवाह प्रमाण पत्र शीघ्र तैयार कर उपलब्ध करा दिया गया। शुभम यादव ने बताया कि सेवा सेतु केंद्र की व्यवस्था से उन्हें बिना किसी परेशानी के समय पर प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया। उन्होंने छत्तीसगढ़ शासन,



जिला प्रशासन तथा सेवा सेतु केंद्र के कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहल आम नागरिकों के लिए अत्यंत उपयोगी और सुविधाजनक साबित हो रही है। सेवा सेतु केंद्र शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का सशक्त माध्यम बन रहे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से नागरिकों को पारदर्शी, सरल और समयबद्ध सेवाएँ उपलब्ध कराकर सुशासन की अवधारणा को मजबूती प्रदान की जा रही है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के मानसून नवअंकुर शिविर में निखरी बच्चों की प्रतिभा,130 स्काउट-गाइड सदस्यों ने लिया भाग..

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, बिलासपुर जिला द्वारा नॉर्थ ईस्ट ईस्टीट्यूट, बिलासपुर में जिला स्तरीय एक दिवसीय ‘ कब-बुलबुल मानसून नवअंकुर शिविर’ का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। जिला आयुक्त स्काउट एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह तथा जिला आयुक्त गाइड श्रीमती नेहा सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में विभिन्न विद्यालयों के 98 कब-बुलबुल, 20 यूनिट लीडर्स एवं जिला पदाधिकारियों सहित कुल 130 यूनिफ़ॉर्म मेंबरस ने सहभागिता की। शिविर का शुभारंभ सहायक जिला आयुक्त एवं मंडल कार्मिक अधिकारी श्री यू. एस. एस. राव ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्काउट-गाइड गतिविधियाँ बच्चों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, रचनात्मकता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करती है तथा ऐसे शिविर उनके सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिविर के दौरान हैंड्रीफ्ट मैकिंग, मेमोरी गेम, म्यूजिकल अम्ब्रेला, फायरलेस कुकिंग, कब-बुलबुल कॉर्नर्स और सांस्कृतिक



प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया। बच्चों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। समापन समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं उनके फ्लॉक लीडर्स/कब मास्टर्स को पुरस्कार एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में जिला संगठन आयुक्त स्काउट श्री दिलीप कुमार स्वाई,

जिला संगठन आयुक्त गाइड श्रीमती सुजाता सिंह, जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड श्रीमती जया बनर्जी, जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट श्री दिनेश कुमार यादव, जिला सचिव श्री संजय मेश्राम, जिला सहसचिव श्रीमती पी. अपर्णा सहित सभी स्काउट-गाइड पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पश्चिम मुखी घर में कहां बनाएं किचन?

वास्तु शास्त्र में घर की हर दिशा और उसमें बने कमरों का विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है कि घर में रसोई की सही दिशा परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिति से जुड़ी होती है।

अगर आपका घर पश्चिम मुखी है, तो रसोई बनवाते समय कुछ वास्तु नियमों का ध्यान रखना जरूरी माना जाता है। आइए जानते हैं पश्चिम मुखी घर में किचन की सही दिशा और गलत स्थान पर रसोई होने से जुड़ी मान्यताएं।

पश्चिम मुखी घर

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में रसोई की सही दिशा का चुनाव महत्वपूर्ण होता है। मान्यता है कि सही स्थान पर बनी रसोई घर में सकारात्मक वातावरण बनाए रखने में सहायक होती है। पश्चिम मुखी घर में रसोई के लिए दक्षिण-पूर्व दिशा सबसे सही मानी जाती है। इसे आग्नेय कोण कहा जाता है और यह दिशा अग्नि तत्व से जुड़ी मानी गई है। मान्यता है कि इस दिशा में रसोई होने से घर में पॉजिटिविटी बनी रहती है और परिवार की सुख-समृद्धि बढ़ती है। इसके अलावा पश्चिम मुखी घर में उत्तर-पश्चिम दिशा यानी वायव्य कोण में भी रसोई बनाई जा सकती है। वास्तु में इस दिशा को भी किचन के लिए उपयुक्त माना गया है। मान्यता है कि चंद्रमा से जुड़ी इस दिशा में रसोई होने से स्वास्थ्य संबंधी लाभ मिल सकते हैं।

पारिवारिक तनाव का कारण

रसोई को परिवार की ऊर्जा से जोड़कर भी देखा जाता है। वास्तु मान्यताओं के अनुसार गलत दिशा में बनी रसोई घर में तनाव और मतभेद का कारण बन सकती है। कई बार परिवार के सदस्यों के बीच दूरी बढ़ने की बात भी कही जाती है।



सेहत पर असर

वास्तु के अनुसार रसोई की गलत दिशा का प्रभाव परिवार के स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है। मान्यता है कि ऐसी स्थिति में घर के सदस्यों को बार-बार स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।



आर्थिक परेशानियां

वास्तु मान्यताओं के अनुसार अगर रसोई सही दिशा में न हो तो इसका असर घर की आर्थिक स्थिति पर पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में घन से जुड़ी परेशानियां बढ़ने की बात कही जाती है। नौकरी और व्यापार में भी रुकावट आने की मान्यता है।

विविध

भारतीय संस्कृति में शादी-विवाह केवल दो लोगों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का मिलन माना जाता है। यही कारण है कि विवाह से जुड़ी हर रस्म का अपना एक विशेष महत्व होता है। इन्हीं परंपराओं में से एक है शादी-ब्याह में शगुन देने की परंपरा। जब भी किसी घर में विवाह, सगाई या कोई शुभ काम होता है, तो रिश्तेदार, मित्र और परिवार के सदस्य शगुन के रूप में धनराशि, उपहार या कोई भी शुभ चीजें भेंट करते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि इस परंपरा की शुरुआत क्यों हुई और इसका धार्मिक महत्व क्या है?

क्या होता है शगुन?

शगुन का अर्थ होता है शुभ संकेत या मंगल कामना। भारतीय परंपरा में किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत शुभ वस्तुओं और सकारात्मक ऊर्जा के साथ करने की मान्यता है। विवाह जैसे मांगलिक अवसर पर दिया गया शगुन नवविवाहित जोड़े के सुखी और सफल वैवाहिक जीवन की कामना का प्रतीक माना जाता है।

धार्मिक दृष्टि से क्यों दिया जाता है शगुन?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शुभ अवसरों पर दान, उपहार और घन देना पुण्यदायी माना गया है। विवाह में दिया गया शगुन केवल आर्थिक सहयोग नहीं होता, बल्कि इसमें आशीर्वाद और शुभकामनाएं भी शामिल होती हैं। माना जाता है कि जब बड़े-बुजुर्ग या प्रियजन शगुन देते हैं तो वे अपने अच्छे विचार और मंगलकामनाएं भी नवदंपति को देते हैं। हिंदू धर्म में किसी भी मांगलिक कार्य में दान और दक्षिणा का विशेष महत्व बताया गया है। इसी परंपरा के तहत विवाह समारोहों में शगुन देने की प्रथा सदियों से चली आ रही है।

101, 501 या 1100 रुपये ही क्यों दिए जाते हैं?

आपने अक्सर देखा होगा कि शगुन में 100, 500 या 1000 रुपये की जगह 101, 501, 1100 या 2100 रुपये दिए जाते हैं। इसके पीछे भी एक खास मान्यता है। माना जाता है कि अलग से एक रुपया निरंतर प्रगति और शुभता का प्रतीक होता है। धार्मिक दृष्टि से यह संकेत देता है कि खुशियां और समृद्धि यहीं तक न रुके, बल्कि आगे भी लगातार बढ़ती रहें। इसलिए शगुन में कुछ और यानी एक रुपये जोड़कर राशि देने की परंपरा प्रचलित है।

सामाजिक महत्व भी है खास

शगुन की परंपरा का सामाजिक पक्ष भी काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। पुराने समय में जब विवाह समारोहों का खर्च उठाना आसान नहीं होता था, तब रिश्तेदार और समाज के लोग

शगुन के माध्यम से आर्थिक सहयोग करते थे। इससे परिवार पर पड़ने वाला बोझ कुछ हद तक कम हो जाता था। आज भी यह परंपरा सामाजिक संबंधों को मजबूत काम करती है।

शगुन में क्या-क्या दिया जाता है?

अलग-अलग क्षेत्रों और परंपराओं के अनुसार शगुन का स्वरूप अलग-अलग हो सकता है। कई लोग धनराशि देते हैं, जबकि कुछ लोग सोना-चांदी, कपड़े, मिठाई, नारियल, फल या दूसरी उपयोगी चीजें उपहार में देते हैं। इन सभी चीजों को शुभता, समृद्धि और मंगल का प्रतीक माना जाता है।

शादी-ब्याह में शगुन देने की परंपरा क्यों है?

जानिए इसके पीछे की खास वजह



शगुन देते समय किन बातों का रखा जाता है ध्यान?

परंपरागत मान्यताओं के अनुसार, शगुन देते समय साफ-सुथरे लिफाफे का उपयोग करना शुभ माना जाता है। कई लोग लिफाफे में चावल, हल्दी या एक सिक्का भी रखते हैं। माना जाता है कि इससे शुभ फल में बढ़ोतरी होती है।

आज का राशिफल



मेघ राशि - आपको नई उपलब्धियां मिलेंगी और आपके काम की सराहना होगी। मेघ राशि वालों के लिए 27 जुलाई का दिन नई शुरुआत का संकेत दे रहा है। ऑफिस में आपके काम की तारीफ हो सकती है। किसी पुराने अटक के काम में भी प्रगति मिलेगी। कारोबार करने वालों को नया मौका मिल सकता है। जल्दबाजी में कोई फैसला लेने से बचें। परिवार के साथ समय बिताने से मन हल्का रहेगा। सेहत ठीक रहेगी लेकिन पानी पीते रहिए।

वृषभ राशि - वृषभ राशि वालों के लिए दिन बेलेस्ड रहेगा। नौकरी में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, लेकिन आप उन्हें अच्छे से निभा लेंगे। पैसें के मामले में सोच-समझकर कदम उठाएं। किसी करीबी से अच्छी सलाह मिल सकती है। लव लाइफ में छोटी-मोटी गलतफहमियां बातचीत से दूर हो जाएंगी। खानपान में लापरवाही ना करें।

मिथुन राशि - मिथुन राशि वालों का आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है। ऑफिस में टीम के साथ तालमेल अच्छा रहेगा। किसी पुराने दोस्त से मुलाकात होने के योग हैं। खर्चों पर थोड़ा कंट्रोल रखें। मौसम बदलने की वजह से हल्की थकान या सर्दी-जुकाम परेशान कर सकता है।

कर्क राशि - कर्क राशि वालों को आज धैर्य से काम लेने की जरूरत है। कामकाज में कुछ नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आर्थिक मामलों में जल्दबाजी से बचें और बिना सोचे-समझे निवेश न करें। परिवार के किसी सदस्य की सलाह आपके काम आएगी। मानसिक तनाव कम करने के लिए खुद को थोड़ा आराम दें। हेल्दी रूटीन अपाना फायदेमंद रहेगा।

सिंह राशि - सिंह राशि वालों के लिए दिन उत्साह से भरा रहेगा। रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है। नौकरी और बिजनेस दोनों में अच्छे नतीजे मिल सकते हैं। किसी खास व्यक्ति से मुलाकात आपके लिए फायदेमंद साबित होगी। खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए बजट का ध्यान रखें। सेहत सामान्य रहेगी लेकिन नींद पूरी लें।

कन्या राशि - कन्या राशि वालों को मेहनत का अच्छा फल मिल सकता है। ऑफिस में आपकी राय को महत्व मिलेगा। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। शादीशुदा लोगों के रिश्तों में मिठास बढ़ेगी। बेवजह की चिंता छोड़कर अपने काम पर ध्यान देना आपके लिए बेहतर रहेगा।

तुला राशि - तुला राशि वालों के लिए दिन थोड़ा व्यस्त रह सकता है। काम का दबाव रहेगा लेकिन समय पर सब पूरा कर लेंगे। पार्टनर के साथ किसी बात पर मतभेद हो सकता है इसलिए शब्द सोच-समझकर बोलें। पैसें से जुड़े मामलों में सतर्क रहें। योग या मेंडिटेशन करने से मन शांत रहेगा।

वृश्चिक राशि - वृश्चिक राशि वालों को करियर में आगे बढ़ने का मौका मिल सकता है। छात्रों के लिए दिन अच्छा रहेगा और पढ़ाई में मन लगेगा। बिजनेस में कोई नई डील मिलने के संकेत हैं। हालांकि भावनाओं में बहकर कोई बड़ा फैसला ना लें। खर्चों पर नजर रखें और सेहत को नजरअंदाज न करें।

धनु राशि - धनु राशि वालों के लिए 27 जुलाई खुशखबरी लेकर आ सकता है। काम में आपकी मेहनत रंग लाएगी। परिवार के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा। पुराने दोस्तों से बातचीत या मुलाकात हो सकती है। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। बच्चों की पढ़ाई या सेहत को लेकर थोड़ा ध्यान देने की जरूरत होगी।

मकर राशि - मकर राशि वाले आज अपने व्यवहार में थोड़ी नरमी रखने की कोशिश करें। ऑफिस में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। पढ़ाई कर रहे छात्रों को अच्छे परिणाम मिलने के योग हैं। किसी यात्रा की योजना बन सकती है। खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए फिजूलखर्ची से बचें। परिवार के साथ समय बिताने से रिश्ते मजबूत होंगे।

कुंभ राशि - कुंभ राशि वालों के लिए दिन मिलाजुला रहेगा। बिजनेस में फायदा होने के योग हैं। नौकरी करने वालों को कोई नया प्रोजेक्ट मिल सकता है। किसी बात को लेकर मन थोड़ा परेशान रह सकता है, लेकिन जल्द ही स्थिति सामान्य हो जाएगी। पैसें का लेनदेन सोच-समझकर करें। सेहत का भी ध्यान रखें।

मीन राशि - मीन राशि वालों का दिन सकारात्मक रहेगा। धार्मिक या आध्यात्मिक कामों में मन लग सकता है। करियर में आगे बढ़ने के नए मौके मिलेंगे। ऑफिस में आपके काम की सराहना होगी। पैतृक संपत्ति या पुराने निवेश से लाभ मिलने की संभावना है। सेहत अच्छी रहेगी फिर भी खानपान में संतुलन बनाए रखें।

चातुर्मास केवल चार महीनों की अवधि नहीं, बल्कि आत्म-जागरण, आत्म-शुद्धि और आध्यात्मिक उन्नति का अनुपम अवसर है। यह स्वयं भी एक महापर्व है और अनेक पावन पर्वों का समवाय भी। भारतीय संस्कृति और जैन दर्शन में इन चार महीनों का अत्यंत विशेष महत्व है, क्योंकि यही वह समय है जब मनुष्य बाहरी संसार से कुछ विराम लेकर अपने अंतर्मन की यात्रा करता है।

चातुर्मास का प्रारंभ आषाढ़ पूर्णिमा से माना जाता है। यह महर्षि वेदव्यास सहित अनेक महान ऋषियों की जन्मतिथि है तथा इसी दिन गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व भी मनाया जाता है। वैष्णव परंपरा के अनुसार आषाढ़ शुक्ल एकादशी (देवशयनी एकादशी) से भगवान विष्णु योगनिद्रा में प्रवेश करते हैं और कार्तिक शुक्ल एकादशी (देवोत्थान एकादशी) पर जागृत होते हैं। इसी कारण इन चार महीनों में विवाह एवं अन्य मांगलिक कार्य सामान्यतः नहीं किए जाते। इसका गूढ़ संदेश यह है कि यह समय बाहरी उत्सवों का नहीं, बल्कि आत्मोत्सव का है।

जैन परंपरा में भी चातुर्मास का महत्व अत्यंत विशिष्ट है। पर्युषण महापर्व, संवत्सरी तथा क्षमायाचना जैसे महान पर्व इन्हीं चार महीनों में आते हैं। यदि जीवन में ये चार महीने ही न हों, तो आत्मा अपने दोषों का परिमार्जन कैसे करेगी? आत्मा को ऊँचाइयों के शिखर तक पहुँचाने के लिए चातुर्मास एक आध्यात्मिक प्रशिक्षण काल है। वर्ष भर हम भौतिक सुख-सुविधाओं, व्यवसाय, परिवार और सांसारिक व्यस्तताओं में उलझे रहते हैं, किंतु चातुर्मास हमें स्वयं के भीतर झाँकने का अवसर देता है। यह आत्मा को मौँजने, तपाने और सोने से कुंदन बनाने का समय है। यदि बारह महीनों में से ये चार महीने निकाल दिए जाएँ, तो जीवन का आध्यात्मिक पक्ष लगभग शून्य हो जाएगा। जैसे किसान वर्षा ऋतु में खेत में बीज बोता है और वही बीज आगे चलकर पूरे वर्ष के जीवन का आधार बनता है, उसी प्रकार चातुर्मास में किए गए तप, स्वाध्याय, संयम, ध्यान और सदाचार के संस्कार पूरे जीवन को प्रकाशित करते हैं। यह आत्मा की



भूमि में धर्म के बीज बोने का श्रेष्ठ समय है। इन्हीं संस्कारों से जीवन में शांति, संतोष, समता, करुणा और आत्मिक आनंद का अमूल्य फल प्राप्त होता है। वर्षा ऋतु में अस्स्थ सुक्ष्म जीवों की उत्पत्ति होती है। ऐसे समय में विहार करने से अन्नजाने में भी जीव हिंसा हो सकती है। इसलिए अहिंसा के परम उपासक जैन साधु-साध्वियों अपने शिष्यों सहित एक ही स्थान पर वर्षायोग की स्थापना कर चातुर्मास व्यतीत करते हैं। आषाढ़ पूर्णिमा से कार्तिक पूर्णिमा तक चलने वाला यह वर्षावास केवल उनकी साधना का समय नहीं, बल्कि समाज को धर्म, संयम और सदाचार की प्रेरणा देने का भी अवसर है। केवल जैन धर्म ही नहीं, भारत की अनेक आध्यात्मिक परंपराओं में भी वर्षावास का विशेष महत्व है। संत-महात्मा इन महीनों में एक स्थान पर रहकर साधना, उपासना, जीवदया, सेवा, करुणा, व्रत, उपास और लोककल्याण के कार्य करते हैं तथा समाज को धर्ममय जीवन जीने की प्रेरणा देते हैं। साधु का स्वभाव तो सदैव प्रवाहित नदी की निर्मल धारा के समान होता है—चलते रहना, बहते रहना। किंतु जन-जन में धर्मभाव जागृत हो, आत्मा का कल्याण हो और समाज सद्गम्य पर अग्रसर हो, इसलिए वे चार महीने एक स्थान पर विराजते हैं। उनका सान्निध्य, प्रवचन और मार्गदर्शन ही समाज

—डॉ मंजु मंगलप्रभात लोढा, वरिष्ठ साहित्यकार

की आध्यात्मिक शक्ति है। चातुर्मास गृहस्थों के लिए भी एक संदेश है कि जहाँ तक संभव हो अनावश्यक यात्राओं से बचें, एक स्थान पर रहकर अधिकाधिक स्वाध्याय, साधना, धर्मााराधना, ध्यान और आत्मचिंतन में समय लगाएँ तथा जीवदया का विशेष ध्यान रखें। यह समय बाहरी व्यस्तताओं से विराम लेकर अंतर्मन की यात्रा करने और जीवन में संयम को उतारने का श्रेष्ठ अवसर है। जैन परंपरा में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा भगवान नेमिनाथ के समक्ष यह संकल्प लेने का उल्लेख मिलता है कि वे चातुर्मास के चार महीने द्वारका में रहकर धर्मध्यान करेंगे। इसी प्रकार गुजरात के महान धर्मनिष्ठ राजा कुमारपाल ने अपने गुरु आचार्य श्री हेमचंद्राचार्य के समक्ष प्रतिज्ञा की थी कि चाहे युद्ध जैसी विकट परिस्थिति ही क्यों न आ जाए, वे चातुर्मास में पाटण नहीं छोड़ेंगे। उनके राज्य में जीवदया की ऐसी भावना थी कि पशुओं तक को छाना हुआ जल पिनाया जाता था। यह केवल नियमों का पालन नहीं, बल्कि प्रत्येक प्राणी के प्रति करुणा, अहिंसा और संवेदनशील जीवन-दृष्टि का जीवंत उदाहरण था।

जैन आगमों में चातुर्मास के दौरान श्रावक-श्राविकाओं के लिए नौ प्रकार के शुद्ध आचरण बताए गए हैं—

- * सामायिक एवं प्रतिक्रमण, * आवश्यक क्रियाएँ, * पौषध
 - * देवपूजन, * स्नात्र पूजा, * ब्रह्मचर्य पालन, * धर्मक्रिया,
 - * दान, * तप
- ये नौ शुद्ध आचरण चातुर्मास के वास्तविक आभूषण हैं। इनका पालन आत्मा को निर्मल बनाता है और जीवन को आध्यात्मिक ऊँचाइयों की ओर ले जाता है।
- चातुर्मास हमें यह भी स्मरण कराता है कि धर्म केवल मंदिर, उपाश्रय या पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन के प्रत्येक व्यवहार में उतरना चाहिए। जब संयम, करुणा, क्षमा, अहिंसा और सदाचार हमारे आचरण का अंग बन जाते हैं, तभी चातुर्मास की वास्तविक साधना सार्थक होती है।

चातुर्मास क्यों?

- आत्मा से परमात्मा की ओर बढ़ने के लिए।
- अहं से अहं की ओर अग्रसर होने के लिए।
- आसक्ति से अनासक्ति की यात्रा के लिए।
- हिंसा से अहिंसा की ओर बढ़ने के लिए।
- उपासना, स्वाध्याय, आराधना, तप, ज्ञान और ध्यान के लिए।
- सम्यग्दर्शन एवं धर्म-जागरण के लिए।
- संतों के सान्निध्य से जीवन को दिशा देने के लिए।
- आत्मशुद्धि एवं आत्मोत्थान के लिए।
- प्रत्येक क्षण का सदुपयोग कर प्रमादरहित जीवन जीने के लिए।
- संयम, करुणा, क्षमा और जीवदया को जीवन में उतारने के लिए।

वास्तव में चातुर्मास केवल चार महीने नहीं, बल्कि आत्मा का वसंत है। यही वह काल है जिसमें मनुष्य अपने भीतर छिपे दिव्य स्वरूप को पहचान सकता है। आइए, इस चातुर्मास में पूज्य आचार्य भगवंतों एवं साधु-साध्वियों के सान्निध्य का अधिकाधिक लाभ लें, संयम, सेवा, स्वाध्याय, तप, ध्यान और धर्ममय जीवन का संकल्प लें तथा आत्मा को परमात्मा बनने की दिशा में एक सार्थक कदम बढ़ाएं।

सेहतमंद रहने के लिए मॉडर्न तरीकों को अपनाना अब ट्रेंड का हिस्सा बन गया है। सोशल मीडिया पर रीलस या वीडियो देखकर लोग सैर के लेटेस्ट तरीके अपना रहे हैं। वॉकिंग के तरीके कई हैं और इससे जुड़े कई सवाल भी लोगों में उठते हैं। इनमें से एक सवाल ये भी है कि क्या हमें खाना खाते ही तुरंत सैर पर निकलना चाहिए? कहीं इससे हमारे शरीर को फायदे की जगह नुकसान तो नहीं होता है। खाना खाते ही तुरंत तेज वॉक नहीं करनी चाहिए। ऐसे में पेट में दर्द या डिस्कफर्ट हो सकता है। सैर करने का सबसे बड़ा फायदा है कि इसे अमूमन हर ईंसान आसानी से कर सकता है। इसके रुटीन को अपनाने से शरीर को एक साथ कई फायदे मिलते हैं। लेकिन इससे जुड़ी गलतियां भी ज्यादातर लोग दोहराते हैं। चलिए आपको बताते हैं कि खाते ही सैर करना कितना गलत है?



खाने के बाद वॉक करने के फायदे

उनके मुताबिक भोजन के बाद 10-15 मिनट की आरामदायक वॉक डाइजेशन को बेहतर बनाने में मदद करती है, जिससे गैस, ब्लोटिंग और पेट भारी लगने जैसी समस्याएं कम हो सकती हैं। इसके अलावा, खाने के बाद हल्की फिजिकल एक्टिविटी शरीर में ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल रखने में भी मदद करती है, खासकर उन लोगों के लिए जिन्हें डायाबीटीज या प्री-डायाबीटीज की समस्या है।

ध्यान रखें ये बातें

खाना खाने के बाद भूल से भी जिम में



वर्कआउट, रनिंग या हाई इंटेन्सिटी एक्सरसाइज नहीं करनी चाहिए। भारी वजन उठाने जैसी एक्टिविटी से पेट के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। एक्सपर्ट बताते हैं कि इसके लिए 1.5 से 2 घंटे का गैप रखना बेस्ट रहता है। सैर करने जा रहे हैं तो टाइट कपड़े या अनकंफर्टेबल फुटवियर से बचें क्योंकि पेटविटिटी शरीर में ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल रखने में भी मदद करती है, खासकर उन लोगों के लिए जिन्हें डायाबीटीज या प्री-डायाबीटीज की समस्या है।

इससे बाँड़ी पर एक्स्ट्रा प्रेशर पड़ता है। कंफर्टेबल कपड़े और सही फिटिंग वाली जूते पहनकर ही वॉक करनी चाहिए। खाना खाते ही सैर करने जाते हैं तो इस दौरान थोड़ा-थोड़ा पानी पिएं। ज्यादा पानी पीने से पेट में भारीपन महसूस हो सकता है।

व्यायाम करने का सही तरीका और इसके फायदे

आजकल डबल चिन यानी टुड्डी के नीचे अतिरिक्त फैट की समस्या सिर्फ बढ़ते वजन तक सीमित नहीं रह गई है। लंबे समय तक मोबाइल या लैपटॉप का इस्तेमाल, खराब पोस्चर, उम्र बढ़ना और जेनेटिक कारण भी डबल चिन बनने की जगह बन सकते हैं। चेहरे की खूबसूरती को प्रभावित करने वाली यह समस्या कई लोगों के आत्मविश्वास को भी कम कर देती है। यही कारण है कि लोग डबल चिन कम करने के लिए महंगे ट्रीटमेंट और कोस्मेटिक प्रक्रियाओं का सहारा लेते हैं हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि कुछ आसान फेस

एक्सरसाइज और लाइफस्टाइल बदलावों की मदद से डबल चिन को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। इनमें सबसे लोकप्रिय व्यायाम चिन लिफ्ट एक्सरसाइज मानी जाती है, जिसे घर पर बिना किसी उपकरण के किया जा सकता है। यह व्यायाम गर्दन और जबड़े की मांसपेशियों को सक्रिय बनाती है और चेहरे के निचले हिस्से को टोन करने में मदद करती है। अगर आप भी डबल चिन की समस्या से परेशान हैं और बिना ज्यादा खर्च किए इसका समाधान चाहते हैं, तो यह आसान एक्सरसाइज आपको मदद कर सकती है। नियमित अभ्यास के साथ कुछ लोगों को एक सप्ताह के भीतर चेहरे में हल्का बदलाव और कसाव महसूस होने लगता है। आइए जानते हैं इस व्यायाम को करने का सही तरीका और इसके फायदे।

कैसे करें? इसे करने के लिए सीधे बैठें या खड़े हो। सिर को ऊपर की ओर उठाएं और छत की तरफ देखें। अब होंठों को ऐसे आगे बढ़ाएं जैसे आप हवा में किस करने की कोशिश कर रहे हों। इस स्थिति में 10 सेकंड तक रहें और फिर सामान्य अवस्था में लौट आएं। इसे 10-15 बार दोहराएं। ई-ओ की आवाज निकालें चेहरे को ऊपर छत की तरफ करें। अब मुंह से पहली ई की आवाज

क्या है चिन लिफ्ट एक्सरसाइज?

निकालें उसके बाद होंठों को राउंड करते हुए ओं बोले। ई और ओ वाली चेहरे की मुद्रा को बार-बार दोहराएं। इससे चेहरे की मांसपेशियों, जॉ लाइन और नेक पर खिंचाव आता है। ये व्यायाम गर्दन और जॉ लाइन के आसपास की मांसपेशियों को सक्रिय करती है। नियमित रूप से करने पर इस क्षेत्र में कसाव महसूस हो सकता है। चेहरे की बनावट अधिक शार्प दिख सकती है। हालांकि, यदि डबल चिन का मुख्य कारण अतिरिक्त शरीर वसा

है, तो वजन कम रना भी जरूरी होगा।

बेहतर परिणाम के लिए अपनाएं ये आदतें

केवल एक्सरसाइज पर निर्भर रहने के बजाय संतुलित आहार लेना भी महत्वपूर्ण है। अधिक पानी पिएं, प्रोसेस्ड फूड से दूरी बनाएं और पर्याप्त प्रोटीन व फाइबर का सेवन करें। इससे शरीर का अतिरिक्त फैट कम करने में मदद मिल सकती है।

कलेक्टरेट परिसर में 50 लाख की लागत से पेविंग ब्लॉक कार्य का महापौर ने किया निरीक्षण

जल संरक्षण को बढ़ावा देने वाटर हार्वेस्टिंग निर्माण के दिए निर्देश

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग सीमा क्षेत्र अंतर्गत आज महापौर अलका बाघमार ने लोक कर्म विभाग के प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर,पार्श्व रामचंद्र सेन, युवराज कुंजाम, खिलावन मटियारा, सहायक अभियंता हरिशंकर साहू, उप अभियंता मोहित मरकाम एवं विभागीय अधिकारियों के साथ कलेक्टरेट परिसर में लगभग 50 लाख रुपये की लागत से किए जा रहे पेविंग ब्लॉक निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महापौर ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता, प्रगति तथा तकनीकी मानकों का बारीकी से अवलोकन करते हुए अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान महापौर ने कहा कि कलेक्टरेट परिसर प्रतिदिन बड़ी संख्या में आम नागरिकों के आवागमन का प्रमुख केंद्र है। ऐसे में परिसर का व्यवस्थित, सुरक्षित एवं आकर्षक होना आवश्यक है। पेविंग ब्लॉक निर्माण से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि परिसर की सुंदरता और सुविधाओं में



भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने तथा गुणवत्ता से कोई समझौता न करने के निर्देश दिए। महापौर ने विशेष रूप से जल संरक्षण पर जोर देते हुए परिसर में वॉटर हार्वेस्टिंग (वर्षा जल संचयन) संरचना विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्षा जल का संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। प्रत्येक शासकीय परिसर में वर्षा जल संचयन की

प्रभावी व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए, ताकि भू-जल स्तर में वृद्धि हो तथा जल संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य के साथ ही वाटर हार्वेस्टिंग की समुचित योजना तैयार कर उसे शीघ्र क्रियान्वित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान महापौर अलका बाघमार ने पेविंग ब्लॉक निर्माण कार्य समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। प्रत्येक शासकीय परिसर में वर्षा जल संचयन की गुणवत्ता एवं कार्य की प्रगति को

संतोषजनक पाया। उन्होंने अधिकारियों को इसी गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम केवल विकास कार्य कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और जल संवर्धन को भी समान प्राथमिकता दे रहा है। सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, दीर्घकालिक उपयोगिता एवं पर्यावरणीय दृष्टिकोण का समावेश किया जा रहा है। वर्षा जल संचयन जैसी व्यवस्थाएं भविष्य की जल आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। लोक कर्म विभाग के प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर ने कहा कि कलेक्टरेट परिसर में स्वीकृत राशि से निर्धारित मापदंड के अनुसार पेविंग ब्लॉक निर्माण कराया जा रहा है। महापौर के निर्देशानुसार परिसर में वर्षा जल संचयन की व्यवस्था भी विकसित की जाएगी, जिससे वर्षा के पानी का संरक्षण हो सके और परिसर पर्यावरणीय दृष्टि से भी एक आदर्श मॉडल बन सके।

वाद नहीं, संवाद की शक्ति : कम्प्यूनिटी मीडियेशन प्रशिक्षण में प्रतिभागियों का उत्साह बना प्रेरणा का स्रोत

ग्रामों से उठ रही सौहार्द, संवाद और सामाजिक समरसता की नई अलख : पति-पत्नी की प्रेरणादायी सहभागिता बनी आकर्षण का केंद्र

दुर्ग। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (इड्स), नई दिल्ली के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा दिनांक 25 जुलाई 2026 से 29 जुलाई 2026 तक आयोजित पांच दिवसीय कम्प्यूनिटी मीडियेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम अत्यंत हार्थोन्नत एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हो रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता कर रहे प्रतिभागियों द्वारा अभूतपूर्व उत्साह, सीखने की जिज्ञासा एवं सामाजिक परिवर्तन के प्रति समर्पण इस अभिनव पहल की सार्थकता को सुदृढ़ कर रहे हैं।उद्घाटन समारोह में उपस्थित सम्मानित मीडिया प्रतिनिधियों द्वारा यह अवलोकन किया गया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा "वाद-मुक्त ग्रामीण भारत" के निर्माण के संकल्प



के साथ जिले के पाँच चयनित ग्राम-घुघसीडीह, ननकट्टी, अरसनारा, निकुम एवं कुथरेल-से चयनित कम्प्यूनिटी मीडियेटर्स को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। मीडिया प्रतिनिधियों ने प्रतिभागियों की सक्रिय सहभागिता, संवादात्मक शिक्षण पद्धति एवं ग्राम स्तर पर शांति, सामाजिक समरसता एवं वाद-मुक्त ग्रामीण भारत के निर्माण के प्रति उनके सकारात्मक दृष्टिकोण को भी निकटता से देखा एवं सराहा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में ग्राम पंचायत निकुम से माधव प्रसाद देशमुख, भागवत राम पटेल एवं श्रीमती मंजुषा भैराम, ग्राम पंचायत घुघसीडीह से मोहन सोनी, गोवर्धन

बारले एवं श्रीमती ललिता बारले; ग्राम पंचायत कुथरेल से श्रीमती गीता गजपाल एवं डॉ. लोकनाथ साहू; ग्राम पंचायत अरसनारा से श्रीमती राधा निषाद एवं बरातुराम निषाद तथा ग्राम पंचायत ननकट्टी से रवि साहू एवं बुद्धि सागर वर्मा सक्रिय सहभागिता कर रहे हैं। इन्हें द्वारा व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की एक अत्यंत प्रेरणादायी एवं उल्लेखनीय विशेषता यह भी है कि ग्राम पंचायत घुघसीडीह से गोवर्धन बारले एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती ललिता बारले पति-पत्नी के रूप में इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता कर रहे हैं।

लगातार बारिश से खेती-किसानी ने पकड़ी रफ्तार, किसानों को जैविक खेती अपनाने के लिए किया जा रहा जागरूक

पाटन। जिले में लगातार हो रही बारिश के बाद खेती-किसानी के कार्यों में तेजी आ गई है। खेतों में किसानों की सक्रियता बढ़ गई है और धान की रोपाई सहित अन्य कृषि कार्य पूरे उत्साह के साथ किए जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में खेती का माहौल फिर से जीवंत नजर आने लगा है। किसानों का कहना है कि प्रदेश में धान का समर्थन मूल्य प्रति क्विंटल बढ़ने के बाद खेती के प्रति उनका रुझान बढ़ा है। बेहतर मूल्य मिलने की उम्मीद से अधिक किसान आधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए खेती की ओर लौट रहे हैं। इससे कृषि क्षेत्र में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। वहीं, राज्य सरकार द्वारा किसानों को जैविक एवं प्राकृतिक खेती के लिए भी लगातार जागरूक किया जा रहा है। कृषि विभाग



किसानों को रासायनिक उर्वरकों का सुतुलित एवं कम उपयोग करने तथा जैविक खाद अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा है। इसका उद्देश्य मिट्टी की उर्वरता बनाए रखना, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना और धरती को सुरक्षित रखना है। विशेषज्ञों का मानना है कि जैविक खाद के अधिक

उपयोग से खेती की लागत कम होगी, मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार आएगा और किसानों की आय में भी वृद्धि होगी। कृषि विभाग किसानों को समय-समय पर प्रशिक्षण एवं तकनीकी मार्गदर्शन देकर टिकाऊ एवं लाभकारी खेती के लिए प्रोत्साहित कर रहा है।

भिलाई निगम क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों को मिली गति, रोड सीमेंटीकरण एवं नाली निर्माण कार्य प्रगति पर

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरूचि सिंह के निर्देशानुसार निगम क्षेत्र में नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों को गति दी जा रही है। निगम द्वारा शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में सड़क निर्माण, रोड सीमेंटीकरण एवं नाली निर्माण सहित आवश्यक विकास कार्य कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में 15वें वित्त आयोग मद से एसबीआई कॉलोनी में विकास कार्य एवं नगरोत्थान मद से मार्ग चौड़ीकरण का कार्य कराया जा रहा है। वहीं विकास शुल्क मद से अनुष्ठ रैसिडेंसी में रोड एवं नाली निर्माण का कार्य प्रगति पर है। कैलाश नगर स्थित महावीर मार्ग के सीमेंटीकरण का कार्य भी कराया जा रहा है, जिससे क्षेत्रवासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही कुरुद स्थित सुंदर विहार कॉलोनी में सामुदायिक भवन निर्माण तथा जामुल ट्रेडिंग ग्राउंड स्थित



निर्माणाधीन डॉंग हाउस में जल निकासी की समुचित व्यवस्था के लिए नाली निर्माण का कार्य कराया जा रहा है। निगम प्रशासन द्वारा क्षेत्र की आवश्यकताओं एवं नागरिकों की सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न विकास कार्यों को निर्धारित

मापदंडों के अनुरूप गुणवत्तापूर्वक पूर्ण करने का प्रयास किया जा रहा है। इन कार्यों के पूर्ण होने से संबंधित क्षेत्रों के नागरिकों को सुगम आवागमन के साथ-साथ बेहतर जल निकासी एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन, विजेताओं को किया गया सम्मानित

दुर्ग। प्रधानमंत्री आवास योजना (एसपी घटक) अंतर्गत सरस्वती नगर आवास परिसर में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आवासीय परिसर के हितग्राहियों में राष्ट्रीय भावना, रचनात्मकता एवं सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देना था।नगर पालिक निगम दुर्ग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में रंगोली प्रतियोगिता, निबंध लेखन एवं कविता (पोयम) प्रतियोगिता आयोजित की गई। इन प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सहायक अभियंता हरिशंकर साहू ने प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं



तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी उत्साह के साथ ऐसे आयोजनों में शामिल होने के लिए प्रेरित किया।पूरे कार्यक्रम के दौरान सरस्वती नगर आवास परिसर का वातावरण उत्साह, उमंग एवं देशभक्ति से ओत-प्रोत रहा। उपस्थित हितग्राहियों ने इस आयोजन की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए नगर

निगम के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित होते रहने चाहिए, जिससे आपसी भाईचारा और सामुदायिक सहभागिता को और अधिक मजबूती मिले।रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले हितग्राहियों नाम धनेश्वरी पांडे,सोनी सिंह,पुष्पा गौतम,साक्षी देवानग,मीरा टागे, चंदनी भट्ट,दिव्यांशु बोरकर इत्यादि हैं।

सिंगल यूज प्लास्टिक, गंदगी और सड़क बाधा पर नगर निगम का चाबुक, 4200 रुपए का वसूला गया जुर्माना

भिलाई। निगम आयुक्त एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशानुसार नगर पालिक निगम भिलाई के जोन क्रमांक 01, वार्ड क्रमांक 17 स्थित आकाशगंगा प्रतिष्ठान एवं सब्जी मंडी क्षेत्र में विशेष जांच व चालानी कार्रवाई अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान दुकानों में प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग, प्रतिष्ठानों के आसपास गंदगी फैलाना तथा मंडी में अवैध रूप से दुकानों के सामने सामान रखकर सड़क बाधित करने वालों पर सख्त रुख अपनाते हुए कुल 4,200 का सड़क बाधा व जुर्माना शुल्क वसूला गया। जगन्नाथ नाश्ता सेंटर गंदगी व साफ-सफाई न रखने पर - 400 रुपए, राजेश चाय ठेला सिंगल यूज प्लास्टिक पाए जाने पर - 100 रुपए, महादेव फर्नीचर, अवैध रूप से सड़क बाधित करने पर - 50 रुपए, मेवा लाल गुप्चुप ठेला सिंगल यूज प्लास्टिक पाए जाने पर -200 रुपए, श्री राम फर्नीचर सड़क बाधित



करने पर - 50 रुपए, मोहन भाई सब्जी सेंटर सड़क बाधित करने पर - 200 रुपए, लाल मणि यादव (झाड़िय) सड़क बाधा उत्पन्न करने पर - 200 रुपए, रज्जू पोल्ट्री फार्म अवैध रूप से वाहन खड़े कर सड़क बाधित करने पर - 3,000 रुपए कुल वसूल की गई राशि 4,200 रुपए है। कार्रवाई के दौरान पोल्ट्री फार्म मालिक द्वारा लिखित व मौखिक रूप से यह आश्वासन दिया गया कि दो दिनों के भीतर मंडी क्षेत्र में मुर्गियों से भरी गाड़ियां खड़ी करना बंद कर दिया जाएगा।

निगम की टीम ने मंडी परिसर में सभी वाहन चालकों व व्यापारियों को सख्त समझाइश दी कि सड़क पर अवैध ढंग से वाहनों की पार्किंग न करें। भविष्य में नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर गाड़ियों को जब्त कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम भिलाई सभी व्यापारियों एवं नागरिकों से अपील करता है कि सिंगल यूज प्लास्टिक का पूरी तरह बहिष्कार करें, दुकानों के आसपास स्वच्छता बनाए रखें और सड़क पर अतिक्रमण या अवैध पार्किंग न करें।

जागरूकता कार्यक्रम बच्चों को सुरक्षित, सजग एवं जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में महत्वपूर्ण

डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल में वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं पॉक्सो जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बेमेतरा। डी.ए.वी. मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल, जांता में विद्यार्थियों के बौद्धिक, सामाजिक एवं नैतिक विकास के उद्देश्य से वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं पॉक्सो जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दोनों कार्यक्रमों में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा एवं जागरूकता का उत्कृष्ट परिचय दिया। वाद-विवाद प्रतियोगिता में कक्षा 6वीं से 8वीं तक के विद्यार्थियों ने लिफ्ट प्लारिस्टिक पैकेजिंग पर प्रतिबंध विषय निर्धारित किया गया, जबकि कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) के लाभ एवं हानि विषय पर प्रभावशाली ढंग से अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों ने पक्ष एवं विपक्ष में तार्किक तर्क रखते हुए अपनी अभिव्यक्ति क्षमता, आत्मविश्वास तथा विषय की गहन समझ का उत्कृष्ट



प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों में समसामयिक विषयों के प्रति जागरूकता एवं तार्किक चिंतन का विकास हुआ। इसके पश्चात विद्यालय में पॉक्सो

जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर छात्र एवं छात्राओं को अलग-अलग समूहों में बैठकर उनकी आयु के अनुरूप पॉक्सो अधिनियम, व्यक्तिगत

सुरक्षा, अच्छे एवं बुरे स्पर्श (गुड टच व बेड टच), साइबर सुरक्षा तथा किसी भी प्रकार की अनुचित घटना की जानकारी तत्काल अपने माता-पिता, शिक्षकों अथवा संबंधित अधिकारियों को देने के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। विद्यार्थियों को अपने अधिकारों एवं सुरक्षा के प्रति सदैव सजग एवं जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यालय के प्राचार्य पी एल जायसवाल ने जानकारी में बताया कि वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों में तार्किक सोच, आत्मविश्वास एवं प्रभावी अभिव्यक्ति का विकास करती हैं, वहीं पॉक्सो जागरूकता कार्यक्रम बच्चों को सुरक्षित, सजग एवं जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से प्राप्त जानकारी को अपने जीवन में अपनाने तथा समाज में भी

जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ललित देवांगन, अकलेश पटेल, अनिल चंद्रवंशी, गोविन्द साहू, अजय सेन, आरुषी जैन, विमल साहू, राजा तंतुवाय, अभिषेक दुबे, संदीप कुमार, रेणुका पटेल, साक्षी शर्मा, ऐश्वर्य देशमुख, ममता चंद्राकर, गायत्री सिन्हा, वर्षा वैष्णव, शोभारानी साहू, अनिल कुमार, प्रकाश भोंई, प्रीति यादव, प्रांजलि ठाकुर, अर्या निधि, लेखनी चंद्राकर, भुनेश्वरी चंद्राकर, नीलमणि, यामिनी साहू, भारती भट्ट, कैलाश सिंह, भारती बंजारे, रुद्राभिषेक सोनी, कुसुम साहू, सुखदेव साहू, रूख्माणी चंद्राकर, रामेश्वरी चंद्राकर, युवराज चंद्राकर, नरेश साहू, विजय चंद्राकर, कुंती यादव आदि सभी ने विद्यालय के कार्यक्रम के सराहना किए।

नवनि्युक्त एल्डरमैनो ने ली शपथ, नगर विकास और जनहित के कार्य करने का लिया संकल्प



सरायपाली। नगर पालिका परिषद सरायपाली में नव नियुक्त एल्डरमैन के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन हुआ। इस शपथ ग्रहण से पूर्व वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना किया। पश्चात एसडीएम ने सभी नव-नियुक्त एल्डरमैनो को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह में घांसीराम विश्वकर्मा, रविन्द्र पंडा, संकीर्ति प्रधान, मनोज आदित्य तथा मोहन शर्मा ने एल्डरमैन ने शपथ लेकर नगर के विकास और जनहित में कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर महिला आयोग की सदस्य सरला कोसरिया, नपा अध्यक्ष सरस्वती मित्तु पटेल, नपा उपाध्यक्ष हेमंत प्रधान, सीएमओ, पालिका के कर्मचारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे। समारोह के दौरान उपस्थित नागरिकों ने भी नव-नियुक्त एल्डरमैनो का पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण कर स्वागत किया।